A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 18 सितंबर, 2025
भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 21, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2
सुबह सवेरे

प्रसंगवश

भारत कैसे टिका रहा जबकि पड़ोसी देश बार-बार बिखरते रहे

वीर सांघवी

फर्क नहीं पड़ना चाहिए, लेकिन कभी-कभी जब हम पड़ोस में क्या हो रहा है यह देखते हैं, तो भारतीय व्यवस्था और उसकी सफलताओं की और भी ज्यादा सराहना करने का मन करता है। भगवान जानता है कि हम परफेक्ट नहीं हैं। हमें उपमहाद्वीप के किसी भी और देश से कहीं बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, आज़ादी के बाद के दशकों में हमने लगभग हर खतरे से निपटा है और एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़े हैं।

सोचिए, नेपाल में क्या हो रहा है। हमें बार-बार बताया जाता है कि भारत की एक समस्या यह है कि हम खुद को हिंदू राष्ट्र मानने को तैयार नहीं हैं। या फिर यह कि लोकतंत्र बहुत उलझा हुआ है और हमें एक तानाशाह चाहिए। या फिर, जैसा कि वामपंथी कहा करते थे – उस दौर में जब हम भारत के कम्युनिस्टों पर ज्यादा ध्यान देते थे कि हम पूंजीवाद को लेकर बहुत उत्साही हैं। कहा गया था कि अगर भारत ने मार्क्सवादियों को सत्ता संभालने दी होती, तो हमारा समाज ज्यादा खुशहाल और बराबरी वाला होता।

अब नेपाल को देख लीजिए। कई सालों तक वहां असली लोकतंत्र था ही नहीं। पहले वह राणा के अधीन चला और फिर राजा के, लेकिन न राणा और न ही राजा, कोई भी प्रभावी तरीके से शासन नहीं कर पाया। राणा को हटा दिया गया। राजा को पहले अपनी शक्तियां कम करनी पड़ीं और आखिरकार राजशाही ही खत्म हो गई। यही है तानाशाही और निरंकुश शासकों बनाम लोकतंत्र की असलियत।

धर्म के मामले में भी यही हाल है। जो लोग बार-बार कहते हैं कि भारत को हिंदू राष्ट्र होना चाहिए, उन्हें नेपाल को गौर से देखना चाहिए। वहां की लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन इसका उस देश की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ा।

पाकिस्तान को देखिए। वहां की 96 प्रतिशत से ज्यादा आबादी मुस्लिम है, लेकिन देश में व्यवस्था और एकता लाने की बजाय, धर्म ने हिंसा, कट्टरपंथ और अफरातफरी को ही जन्म दिया है। कम्युनिज़्म (साम्यवाद) भी कोई बेहतर साबित नहीं हुआ। नेपाल का पुराना शासन इतना कमज़ोर था कि जब माओवादी आंदोलन शुरू हुआ, तो पुलिस वाले थानों को खाली छोड़ कर भाग गए। भारत ने मदद करने की कोशिश की और नेपाल के लिए एक सशस्त्र बल खड़ा किया। आखिरकार, तथाकथित 'क्रांतिकारी' माओवादी सत्ता में आए और उन्होंने पहले के सब शासन से भी बुरा हाल कर दिया। मौजूदा अशांति के दौरान सड़कों पर जो लोग भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, वो एक ऐसे माओवादी की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसने कभी हमारे नक्सलवादियों की तारीफ की थी और चीनी कम्युनिज़्म को आदर्श माना था। आज सड़कों पर भीड़ जिन नेताओं को गालियां दे रही है और मार रही है, वे वही पूर्व 'क्रांतिकारी' हैं।

यही है सर्वहारा की तानाशाही–जो राजा की तानाशाही से भी ज्यादा बुरी निकली।

मैं यह सब नेपाल की निंदा करने के लिए नहीं कह रहा हूं। मेरा मकसद यह बताना है कि भारत के लिए जो आसान नुस्खे सुझाए जाते हैं, उन्हें इस क्षेत्र के दूसरे देशों में आजमाया जा चुका है और नतीजा सिर्फ हत्या और तबाही निकला है।

आज का बांग्लादेश देख लीजिए। समझ में आ जाएगा कि एक देश के हाथ से नियंत्रण कैसे निकल सकता है। 1971 में जब आज़ाद बांग्लादेश के आंदोलन ने दुनिया का ध्यान खींचा, तब पूर्वी पाकिस्तान के बंगालियों ने पश्चिमी पाकिस्तान के पंजाबी शासकों को अत्याचारी बताया, जो देश के पूरब में बंगाली पहचान को मिटाना चाहते थे। दुनिया ने उनका समर्थन किया। भारत ने खून बहाकर उन्हें आज़ादी दिलाई। बांग्लादेशियों को सब कुछ मिला। लेकिन कुछ ही सालों में उन्होंने सब बर्बाद कर दिया। मैं पाकिस्तान के आतंकवादियों या श्रीलंका के गृहयुद्ध का ज़िक्र भी कर सकता हूं, लेकिन मुझे लगता है कि बात अब साफ हो गई होगी।

इनमें से किसी भी देश ने वे मुश्किलें नहीं झेली हैं, जिनसे भारत 1947 से गुज़रा है। जब हमारा देश बना था, तब इसे अक्सर 'लोकतांत्रिक प्रयोग' कहा जाता था। बहुत कम लोग मानते थे कि इतनी भाषाओं वाला, बड़ी मुस्लिम आबादी वाला, जिसके साथ पहले ही कई अलगाववादी कोशिशें हो चुकी थीं और सदियों की उपनिवेशी हुकूमत के बाद बिना किसी लोकतांत्रिक परंपरा वाला देश टिक भी पाएगा। लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं और उन लोगों की वजह से जिन्होंने इस व्यवस्था को चलाने में योगदान दिया (नौकरशाह, न्यायाधीश, मीडिया, पूरी तरह गैर-राजनीतिक सेना और हां, हमारे अक्सर आलोचना झेलने वाले नेता भी), हमने तमाम शंकाओं को गलत साबित किया और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को 'एक प्रयोग' से बढ़ाकर एक वैश्विक उदाहरण बना दिया।

हमारी सफलता के जो कारण बताए जाते हैं, वे सब झूठे हैं। ये इसलिए नहीं है कि अंग्रेज़ हमें एक पेशेवर सेना देकर गए थे, उसका एक हिस्सा पाकिस्तान गया, जहां उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था को उखाड़ फेंका, नेताओं को फांसी दी और वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दिया। ये इसलिए भी नहीं कि हिंदू धर्म इतना शांतिपूर्ण है कि लोकतंत्र खुद पैदा हो जाए – नेपाल को देख लीजिए। न ही इसका कारण कोई एक राजनीतिक पार्टी है अब तक हमें कई तरह की पार्टियों ने अलग-अलग दौर में चलाया है। ये भी नहीं कि भारतीयों ने तुरंत ही विविधता वाले देश के विचार को अपना लिया। देश की शुरुआती ज़िंदगी में तमिल अलगाववाद ने एक बड़ा खतरा पैदा किया, 1980 के दशक में सिख अलगाववाद समस्या बना और पूर्वोत्तर को मुख्यधारा में जोड़ने में हमें दशकों लग गए।

ये भी नहीं कि हमारे सभी धार्मिक अल्पसंख्यक हमेशा संतुष्ट रहे। कई भारतीय मुसलमान गहरे अलगाव की भावना से जूझ रहे हैं और खालिस्तान की मांग आज भी अधिकांश भारतीयों को आहत करती है। कई पिछड़ी जातियों की जायज़ आकांक्षाओं को संभालना लगातार संघर्ष रहा है और उत्तर-दक्षिण का फर्क अब भी भारतीय राज्य के लिए एक संभावित संकट बना हुआ है।

लेकिन इन तमाम समस्याओं और चुनौतियों के बावजूद, भारत काम करता है। देश शायद ही कभी आज जितना राजनीतिक रूप से बंटा रहा हो, लेकिन चाहे हमारी असहमति कितनी भी गहरी क्यों न हो, हम इस बात पर सहमत रहते हैं कि भारतीय व्यवस्था को चलना चाहिए, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा नागरिक लाभ उठा सकें।

हम सत्तारूढ़ पार्टी से नफरत कर सकते हैं या विपक्ष से घोर चिढ़ सकते हैं, लेकिन हम कभी नहीं भूलते कि हम सब भारतीय हैं। इस देश ने हमें वह बनाया है जो हम आज हैं और हम इसे और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

सब फैसले होते नहीं
सिक्का उछाल के
ये दिल का मामला हैं
जरा देखभाल के
मोबाइलों के दौर के
आशिक को क्या पता
रखते थे कैसे खत में
कलेजा निकाल के
ये कहके नई रोशनी
रोएगी एक दिन,
अच्छे थे वही लोग
पुराने ख्याल के
आंधी उड़ा के ले गई
ये और बात है,
कहने को हम भी पत्ते थे
मजबूत डाल के
तुमसे मिला है प्यार
सभी रत्न मिल गए
अब क्या करेंगे और
समंदर खंगाल के।

- उदय प्रताप सिंह

प्रधानमंत्री ने धार जिले में 'पीएम मित्र पार्क' का शिलान्यास किया

'फार्म से फाइबर, फैक्ट्री से फैशन और फारेन विजन' का सपना साकार होगा

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बदनावर के भैंसोला ग्राम में 'पीएम मित्र पार्क' का शिलान्यास किया। देशभर में खुलने वाले 7 मित्र पार्क में यह पहली परियोजना है। प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन के दिन इस आदिवासी जिले में इस परियोजना की शुरुआत की।

शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं ज्ञान की देवी और धार बहुत सारा की मां वाग्देवी के चरणों में नमन करता हूं कौशल और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती में भगवान विश्वकर्मा को नमन करता हूं अपने कौशल से राष्ट्रीय निर्माण में लगे करोड़ भाई और बहनों को भी मैं आज विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष में भी आदरपूर्वक प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि धार की यह धरती हमेशा से पराक्रम और प्रेरणा की धरती रही है। महाराजा भोज का शौर्य हमें प्रेरणा देता है। राजा भोज का शौर्य हमें राष्ट्र गौरव की रक्षा के लिए डटे रहने की सीख देता है। उनका त्याग मानवता की सेवा का संकल्प देता है।

इसी विरासत से प्रेरणा लेकर आज देश मां भारती की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। आज विश्वकर्मा जयंती के दिन धार में एक बड़ी औद्योगिक शुरुआत होने जा रही है। इस पार्क से भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई ऊर्जा मिलेगी, किसान को उसकी उपज का सही मूल्य मिलेगा। मेरे लिए खुशी की बात है कि लाखों किसान अभी हमारे साथ इस कार्यक्रम में जुड़े हुए हैं। पीएम मित्र पार्क टेक्सटाइल पार्क है, जिसका सबसे बड़ा लाभ हमारे युवकों और युवतियों को बहुत बड़ी संख्या में रोजगार के रूप में मिलेगा।

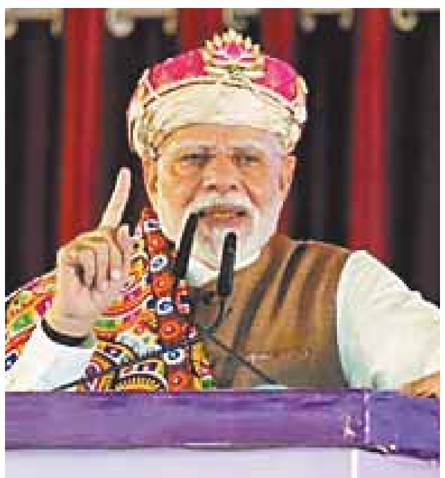

नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस पीएम मित्र पार्क से 'फार्म से फाइबर, फैक्ट्री से फैशन और फारेन विजन' का सपना भी साकार होगा। 2158 एकड़ में फैला यह पार्क कपास आधारित उद्योगों को बढ़ावा देगा। यहां 3 लाख रोजगार सृजित होंगे और 6 लाख कपास किसानों को लाभ मिलेगा। इस परियोजना से सिर्फ टेक्सटाइल से जुड़े उद्योगों को ही लाभ नहीं पहुंचेगा, बल्कि लाखों कपास उत्पादक किसानों की प्रगति के भी नए दरवाजे खुलेंगे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा के चार सबसे प्रमुख स्तंभ है। ये हैं भारत की नारी, शक्ति युवा, गरीब और किसान। आज यहां इस कार्यक्रम में विकसित भारत के इन चारों स्तंभों को नई मजबूती देने का काम हुआ है। आज के आयोजन में नारी शक्ति का बहुत ध्यान रखा गया। यहां से 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' महाअभियान का आरंभ हो रहा है। देवी वाग्देवी के आशीर्वाद से देशभर में अलग-अलग चरणों में इस सेवा पर्व की गूंज पहले से ही सुनाई दे रही है। आज से इसका मध्य प्रदेश संस्करण भी प्रारंभ हो रहा है। यह अभियान धार समेत एमपी के हमारे जनजाति समाज को विभिन्न योजनाओं से सीधे जोड़ने का सेतु बनेगा।

इस अभियान के तहत बीपी हो, डायबिटीज हो, एनीमिया हो, टीबी हो या जानलेवा कैंसर जैसी भयंकर बीमारी का संकेत मिले। इन सबकी जांच की जाएगी और दवाइयां भी मुफ्त मिलेगी। आप संकोच किए बिना इन स्वास्थ्य शिविर में जाकर जहां जरूर करवाएं। आपके उत्तम स्वास्थ्य से सरकारी तिजोरी ज्यादा बड़ी नहीं है। यह तिजोरी आपके लिए है, माता-बहनों के लिए है और आगे के इलाज में आयुष्मान कार्ड का सुरक्षा कवच आपको बहुत काम आएगा। यह अभियान आज से शुरू होकर 2 अक्टूबर विजयादशमी तक विजयी होने के संकल्प के साथ चलने वाला है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं फिर से एक बार देशभर की माता और बहनों और बेटियों को आह्वान करूंगा कि थोड़ा समय अपने स्वास्थ्य के लिए भी निकालें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से हम आठवें राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत कर रहे हैं। विकसित होते भारत में हमें माता की मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को भी जितना कम कर सकते हैं, करना ही है। इसी उद्देश्य से हमने 2017 में प्रधानमंत्री 'मातृ वंदना योजना' शुरू की थी। इस योजना में पहली संतान होने पर 5000 और दूसरी बेटी के जन्म भर 6000 सीधे सीधे बैंक खाते में दिए जाते हैं। अब तक साढ़े 4 करोड़ गर्भवती माता को 'मातृ वंदना योजना' का लाभ मिल चुका है। साथ ही अब तक 19 हजार करोड़ रुपए इसके लिए दिए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आज मैं मध्य प्रदेश की धरती से एक और अभियान की चर्चा करना चाहता हूं। आप जानते हैं हमारे आदिवासी इलाकों में सिकल सेल एनीमिया एक बहुत बड़ा संकट है। हमारी सरकार आदिवासी भाई बहनों को इस बीमारी से बचाने के लिए राष्ट्रीय मिशन चला रही है। इस मिशन की शुरुआत हमने 2023 में मध्य प्रदेश के शहडोल से की थी।

शहडोल में ही हमने सिकल सेल क्लीनिक का पहला कार्ड दिया था। आज मध्य प्रदेश में ही इसका एक करोड़वां कार्ड वितरित हुआ है। अब तक इस अभियान के तहत पूरे देश में 5 करोड़ से ज्यादा लोगों का इलाज हो चुका है। सिकल सेल से हमारे आदिवासी क्षेत्र के लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित हुआ है।

कोरोना के कठिन समय में गरीब मां के घर का चूल्हा बुझाने नहीं दिया

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 'पीएम गरीब कल्याण योजना' का भी जिक्र किया। मुफ्त राशन की इस योजना ने कोरोना के कठिन समय में गरीब मां के घर का चूल्हा बुझाने नहीं दिया। आज भी इस योजना के तहत मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। पीएम आवास योजना के तहत भी जो करोड़ों घर दिए गए, उनमें से ज्यादातर महिलाओं के ही नाम पर है। हमारी सरकार का महिलाओं को आर्थिक रूप से सफल करना है। हमारी करोड़ों बहनें 'मुद्रा योजना' के जरिए लोन लेकर नए व्यापार कर रही हैं। नए उद्योग लगा रही हैं। हमारी सरकार ग्रामीण बहनों को 3 करोड़ गांव में रहने वाली महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के अभियान में जुटी और मैं बड़े घर से कह सकता हूं यह अभियान में जो सफलता मिली है। इतने कम समय में अब तक करीब करीब 2 करोड़ बहने लखपति दीदी बन चुकी हैं।

हम जो भी खरीदें स्वदेशी ही खरीदें, ताकि देश का पैसा देश में ही रहे

अपने भाषण के अंत में प्रधानमंत्री ने स्वदेशी की बात का ज़िक्र कर आह्वान किया कि हम जो भी खरीदें स्वदेशी ही खरीदें, ताकि देश का पैसा देश में ही रहे। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय से स्वदेशी का नारा भी लगवाया। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंच पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया और पधारे सभी किसान बंधुओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राजा भोज के संस्कारों से समृद्ध क्षेत्र प्रधानमंत्री के आगमन से हर्षित है। यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री आज अपना जन्मदिन हमारे आदिवासी अंचल में मना रहे है, हम उनका जोरदार अभिनंदन करते हैं। हमारे लिए यह सौभाग्य की बात है। आपका अभिनंदन है कि पूरा क्षेत्र धन्य हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की 9 करोड़ जनता की तरफ से मैं आपका स्वागत करता हूं। आपको शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। आपकी यश और कीर्ति बढ़ती रहे।

सेना की वर्दी में आए और लूट ले गए बैंक

● कर्नाटक में एसबीआई बैंक स्टाफ और ग्राहकों को बांधकर की वारदात

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में रोज की तरह ही सब काम में लगे थे। अचानक बैंक के अंदर सेना की वर्दी में तीन लोग आए। उन्होंने गन निकाली और देखते ही देखते बैंक से 20 करोड़ रुपये का सोना और एक करोड़ से ज्यादा का कैश लूटकर फरार हो गए। इस लूट ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास देसी पिस्तौल और चाकू थीं। उन्होंने कर्मचारियों को बंधक बनाकर लूटपाट की। घटना चाडचन कस्बे में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में मंगलवार शाम करीब 6.30 बजे हुई। विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

पराली जलाने वालों को गिरफ्तार क्यों नहीं करते?

● पराली जलाने वाले किसानों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कह दी बड़ी बात ● एससी ने कहा- जुर्माना नाकाफी, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पराली जलाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। हर साल दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों की शुरुआत से पहले ही प्रदूषण का लेवल बढ़ जाता है। इसकी एक वजह पराली जलाना भी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर कहा कि कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को सबक मिलेगा और इस आदत पर लगाम लगेगी। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले में नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने बताया कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सब्सिडी के साथ ही मशीनें भी दी गई हैं लेकिन किसान बहाना बनाते हैं। कुछ किसान कहते हैं कि उन्हें ऐसी जगह पराली जलाए जाने के लिए कहा जाता है कि जहां सैटेलाइट नजर नहीं रखता। कई किसान लाचारी दिखाते हैं। कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले में गहरी नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि कुछ लोगों को जेल भेजने से सही संदेश जाएगा। यह देखते हुए कि किसानों का योगदान सभी को भोजन उपलब्ध कराना है, भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने तर्क दिया कि इसका मतलब यह नहीं है कि पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। अगर कुछ लोग सलाखों के पीछे जाएंगे तो इससे सही संदेश जाएगा। आप किसानों के लिए कुछ दंडात्मक प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते... अगर आपका पर्यावरण संरक्षण का सच्चा इरादा है तो फिर पीछे क्यों हट रहे हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 30 °c
न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 18 सितंबर 2025

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

शिक्षक के लिए अरुणाचल की छात्राओं का 65 किमी मार्च

● कई बार पहले भी कर चुकी हैं शिकायत, कस्तूरबा गांधी विद्यालय की हैं छात्राएं

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के पाक्के केस्सांग जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की करीब 90 छात्राओं ने अपने स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए रात में 65 किलोमीटर का पैदल मार्च किया। ये लड़कियां कक्षा 11 और 12 की छात्राएं हैं। उन्होंने रविवार को न्यांगनो गांव से मार्च शुरू किया और पूरी रात चलकर सोमवार

सुबह लेम्मी पहुंचीं। उन्होंने भूगोल और राजनीति विज्ञान के शिक्षकों की तुरंत नियुक्ति की मांग की। ये छात्राएं कहती हैं कि उन्होंने कई बार स्कूल और शिक्षा विभाग से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई, इसलिए उन्हें ये कदम उठाना पड़ा। सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो गया है। स्कूल की हेडमिस्ट्रेस ने माना कि भूगोल और राजनीतिक विज्ञान दो विषयों के टीचर्स नहीं हैं। बाकी विषयों में पर्याप्त टीचर हैं। स्कूल 2011-12 में बना थी और गरीब लड़कियों की शिक्षा के लिए चलाया जाता है, जिसमें अब 90 से ज्यादा छात्राएं हैं। इस मार्च के बाद शिक्षा विभाग ने तुरंत कार्रवाई की और शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी दे दी। डिप्टी डायरेक्टर ऑफ स्कूल एजुकेशन दीपक तायेंग ने कहा कि छात्राओं ने बिना बताए मार्च किया, लेकिन अब भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। पिछले महीने विभाग ने तीन शिक्षकों के लिए इंटरव्यू लिया था। इस घटना ने अभिभावकों और अधिकारियों को चौंका दिया, लेकिन छात्राओं की मेहनत रंग लाई।

'सेवा पर्मो धर्म:' की भावना के साथ राष्ट्र सेवा व जनकल्याण के लिये कार्य करें युवा : मंत्री श्री सारंग

मंत्री श्री सारंग ने किया रक्तदान शिविर का शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को तात्या टोपे खेल स्टेडियम, भोपाल में खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर एवं खिलाड़ियों द्वारा सेवा कार्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंत्री श्री सारंग ने स्कूली छात्राओं व खिलाड़ियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धार जिले के भैंसोला में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास एवं स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा।

रक्तदान: जीवनदान का पवित्र कार्य-रक्तदान शिविर में खिलाड़ियों और युवाओं में काफी उत्साह था। सुबह से ही बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने रक्तदान कर मानवता का संदेश दिया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि रक्तदान निस्वार्थ सेवा का सर्वोच्च उदाहरण है। यह केवल एक मानवीय कर्तव्य नहीं बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का पवित्र कार्य है। उन्होंने कहा कि आज के दिन खिलाड़ियों ने जिस उत्साह के साथ रक्तदान किया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदान से शरीर में नई रक्त कोशिकाएँ बनने की प्रक्रिया तेज़ होती है। समय-समय पर रक्तदान से शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। रक्तदान करने से आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति होती है। कहा भी गया है 'रक्तदान महादान है।'

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि खेल और समाजसेवा का यह अनूठा संगम युवाओं को नई दिशा देगा। हमारा उद्देश्य है कि युवा उत्कृष्ट खिलाड़ी के साथ ही समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। जब खेल भावना और सेवा भावना मिलती है, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया और भी सशक्त होती है। कार्यक्रम में छात्राओं और महिलाओं के लिये महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर की भी शुरुआत की गई, जिसमें प्रशिक्षकों ने आत्मरक्षा की तकनीकें सिखाईं।

जीएसटी सुधार से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ आएंगे

● वित्तमंत्री बोलीं-रोजमर्रा के सामान सस्ते होंगे, आम लोगों के पास ज्यादा पैसा बचेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स में किए गए सुधारों से देश की इकोनॉमी में कम से कम 2 लाख करोड़ रुपए का योगदान होगा। इससे आम लोगों के पास ज्यादा पैसा बचेगा। विशाखापट्टनम में नेक्स्ट जेन जीएसटी

रिफॉर्म्स पर आयोजित एक इवेंट में उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से देशवासियों को 2 लाख करोड़ रुपए की बचत होगी। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम है। वित्त मंत्री ने बताया कि जीएसटी के 12 फीसदी स्लैब में शामिल 99 फीसदी सामान अब 5 फीसदी टैक्स दायरे में आ गए हैं। साथ ही 28 फीसदी टैक्स स्लैब वाले 90 फीसदी सामान अब 18 फीसदी के दायरे में हैं। उन्होंने कहा कि ये बदलाव मिडिल क्लास के लिए बहुत फायदेमंद होंगे और गरीबी कम करने में भी मदद करेंगे। सीतारमण ने यह भी दावा किया कि जीएसटी सुधारों से कई इंडस्ट्री को फायदा होगा।

मोदी और मां का एआई वीडियो हटाए कांग्रेस

● पटना हाईकोर्ट का आदेश, चुनाव आयोग और एक्स को भेजा नोटिस

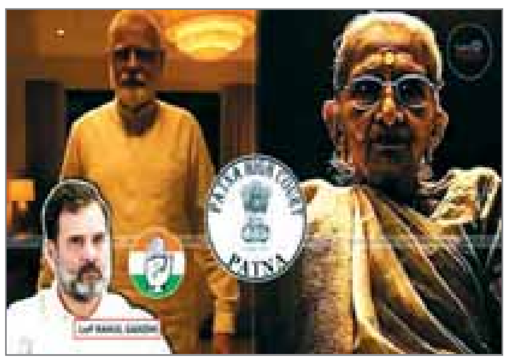

पटना (एजेंसी)। पटना हाईकोर्ट ने कांग्रेस को अपने सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म से पीएम मोदी और उनकी दिवंगत मां का एक्स वीडियो फौरन हटाने का आदेश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पीबी बैजन्त्री ने यह आदेश विवेकानंद सिंह की याचिका पर दिया। इसमें कहा गया कि ऐसी सामग्रियों का प्रसार तुरंत रोका जाए और सभी प्लेटफॉर्म से हटाया जाए। याचिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एक्स, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को पार्टी बनाया। चुनाव आयोग के वकील सिद्धार्थ प्रसाद ने न्यूज एजेंसी को बताया, गांधी, फेसबुक, ट्विटर और गूगल को भी नोटिस जारी किया है। पिछले सप्ताह बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर यह वीडियो डाला था, जिसमें मोदी की मां को उनकी राजनीति की आलोचना करते हुए दिखाया गया था। बिहार कांग्रेस ने 11 सितंबर को मोदी और उनकी मां का एक एआई वीडियो जारी किया था। भाजपा ने इसे शर्मनाक बताया था। इससे पहले 14 सितंबर को दिल्ली में कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी ने एफआईआर भी दर्ज कराई थी। 36 सेकेंड के एआई जनरेटेड वीडियो में पीएम मोदी से मिलते शख्स और उनकी दिवंगत मां हीराबेन से मिलती जुलती महिला को दिखाया गया है।

अमेरिका ने इंजन सप्लाई में फिर से कर दिया खेल

● तेजस फाइटर जेट की डिलिवरी में फंसाया नया पेच

एचएएल के सामने नया संकट, सप्लाई में होगी देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने भारतीय वायु सेना को भरोसा दिलाया था कि मौजूदा वित्त वर्ष में कंपनी उसे 12 स्वदेशी फाइटर जेट तेजस सौंप देगी। यह भरोसा इस विश्वास के साथ दिया गया था कि तब अमेरिकी कंपनी जेनरल इलेक्ट्रिक इंजनों की सप्लाई कतई बाधित नहीं होने देगी। लेकिन, लगता नहीं कि अमेरिकी कंपनी इस विश्वास पर अडिग रह पायी है, लिहाजा एचएएल को तेजस स्वदेशी फाइटर जेट की डिलिवरी की योजना को संशोधित करना पड़ रहा है। इसका परिणाम ये होगा कि भारतीय वायुसेना को वादे के अनुसार तय समय पर उतने लड़ाकू विमानों की आपूर्ति नहीं हो पाएगी, जितनी की संभावना थी। चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. डीके सुनील ने तेजस की डिलिवरी को लेकर खड़े हुए नए संकट के बारे में जानकारी दी है।

गोरखपुर में नीट छात्र के हत्यारोपी का एनकाउंटर

● कुशीनगर में दोनों पैर में गोली मारी

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में नीट छात्र की हत्या के आरोपी पशु तस्कर को पुलिस ने एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। कुशीनगर में तस्कर के दोनों पैर पर दो गोली मारी। पुलिसवाले कंधे पर टांगकर उसे अस्पताल ले गए।

एनकाउंटर में 4 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गोरखपुर एसपी राजकरण नय्यर ने कहा- एनकाउंटर बुधवार दोपहर 2 बजे कुशीनगर में रामकोला रोड पर हुआ। ऑपरेशन में पिपराइच और कुशीनगर पुलिस की टीम भी थी। रहीम नाम का एक तस्कर गोली लगने से घायल हो गया।

ईवीएम पर अब कैंडीडेट्स के लगेंगे रंगीन फोटो

● नाम भी बड़े अक्षरों में लिखा जाएगा, ताकि वोटर आसानी से पढ़ सकें, बिहार चुनाव से शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईवीएम बैलेट पेपर पर अब उम्मीदवारों के रंगीन फोटो होंगे। इसके अलावा प्रत्याशियों की नंबरिंग और उनका फोंट साइज भी बड़ा होगा, जिससे वोटर उसे अच्छे से पढ़ और देख सके। न्यूज एजेंसी के अनुसार चुनाव आयोग इसकी शुरुआत की बिहार विधानसभा चुनाव से करेगा। इसके लिए ईसी ने एक गाइड लाइन जारी की है। निर्वाचन आयोग ने बताया कि यह पहल उन 28 सुधारों का हिस्सा है, जिन्हें पिछले छह महीनों में मतदाताओं की सुविधा और चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए लागू किया गया है।

● **एसआईआर पर चुनाव आयोग की सफाई, आधे से ज्यादा वोटर्स से पेपर नहीं मांगेंगे**- चुनाव आयोग ने बुधवार को बताया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान देश के ज्यादातर राज्यों में आधे से ज्यादा मतदाताओं को किसी प्रकार का दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके नाम पिछली एसआईआर की वोटर लिस्ट में शामिल हैं।

नवागत आयुक्त दलीप कुमार ने नगर निगम में पदभार ग्रहण किया

देवास। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के आदेश क्रमांक ई-1/130/2025/5/एक भोपाल दिनांक 15 सितम्बर 2025 द्वारा दलीप कुमार (2019)

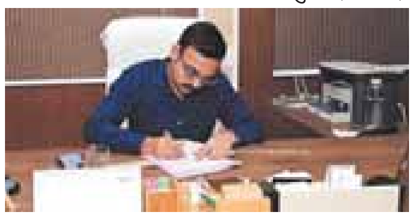

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर को आयुक्त नगर पालिक निगम देवास मे पदस्थ करने पर उनके द्वारा 16 सितम्बर को दोपहर पश्चात नगर निगम पहुंचकर अपना पदभार ग्रहण किया गया। नवागत आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा पदभार ग्रहण के पश्चात माताजी टेकरी पर पहुंचकर मॉ तुलजा भवानी व मॉ चामुण्डा की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद प्राप्त किया।

सांसद श्री सोलंकी ने की गृहमंत्री अमित शाह से भेंट

मां बगुलामुखी की चुनरी ओढ़ाकर अभिनंदन करते दी कार्यों की जानकारी

देवास। संसद में उपस्थिति हो, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का क्षेत्र में क्रियान्वयन हो या भाजपा संगठन की विविध गतिविधियां हो। देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय जननेता सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी उनके प्रति हमेशा तत्पर एवं सक्रिय होते है। देवास नगर में

होने वाली सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय गतिविधियों में सहभागिता हो, सिविल लाईन स्थित कार्यालय पर सहज उपस्थिति एवं संसदीय क्षेत्र के अन्य स्थानों पर कार्यकर्ताओं सहित जन सामान्य से लेकर दिल्ली तक श्री सोलंकी की सजीव उपस्थिति दिखाई देती रहती है।

राज्यपाल श्री पटेल ने रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का लिया जायज़ा

मानवता के महादान प्रसंग का साक्षी बना राजभवन

भोपाल (नप्र)। मानवता के महादान रक्तदान का राजभवन बुधवार को साक्षी बना। विदित हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर रक्तदान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम से वापस आकर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल सीधे राजभवन के शिविर में पहुंचे। उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। शिविर में रक्तदान के लिए उपस्थित रक्त-दाताओं से चर्चा की। स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में चिकित्सकों से जानकारी प्राप्त की। रक्त दान-दाताओं का उत्साहवर्धन कर फलों की टोकरी उपहार स्वरूप भेंट की।राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को बताया गया कि शिविर में स्वेच्छा से कुल 82 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। दान-दाताओं में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव और विधि अधिकारी श्री उमेश कुमार श्रीवास्तव भी शामिल थे। रक्तदाताओं में 13 महिलाएं और 69 पुरुष शामिल थे। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के दौरान स्त्रीरोग, नेत्ररोग और मेडिसिन रोग विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण का कार्य किया। शिविर के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ ने तीन महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। नेत्ररोग विशेषज्ञों ने 75 महिला पुरूष के स्वास्थ्य की जाँच की। इसी तरह मेडिसिन रोग विशेषज्ञों के द्वारा 30 नागरिकों को परामर्श सेवाएं प्रदान की। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जाँच सुविधा से कुल 118 नागरिक लाभान्वित हुए। उल्लेखनीय है कि शिविर का शुभारम्भ बुधवार की प्रातः राजभवन के सांदीपनि सभागार में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया था।

मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने श्री महाकालेश्वर भगवान की शयन आरती में सम्मिलित होकर दर्शन किए। इस अवसर पर भगवान महाकाल की आरती एवं पूजन-अर्चन विधिवत सम्पन्न हुआ। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक श्री मूलचंद जूनवाल द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया।

पीएम मोदी का 75 वां जन्मदिन, राहुल गांधी ने दी बधाई

बीजेपी ने शुरू किया सेवा पखवाड़ा, राजनाथ और शाह ने सुनाई मोदी स्टोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को 75वां जन्मदिन रहा। मोदी को उनके जन्मदिन पर दुनिया भर से बधाई मिल रही है। कांग्रेस रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पीएम को जन्मदिन और बेहतर स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। बीजेपी ने भी मोदी की कहानी के शॉर्ट वीडियो शेयर किए हैं। इसे मोदी स्टोरी नाम दिया है। वीडियो में चाय का गिलास और मोदी स्टोरी लिखा है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई सीनियर नेताओं ने पीएम से जुड़े किस्से सुनाए हैं। भाजपा ने देशभर में दो हफ्ते का सेवा पखवाड़ा शुरू किया है।

● **पुतिन, ट्रंप, नेतन्याहू से लेकर मेलोनी तक, सबने दी बधाई**- इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी शक्ति, उनका दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता प्रेरणा का स्रोत है। मित्रता और सम्मान के साथ, मैं उनके स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं ताकि वे भारत को एक उज्वल भविष्य की ओर ले जा सकें और संबंधों को और मजबूत कर सकें।

जन्मदिन पर पीएम मोदी की बायोपिक 'मां वंदे' का ऐलान

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर प्रोडक्शन हाउस सिल्वर कास्ट क्रिएशंस ने नई फिल्म का ऐलान किया है। फिल्म का नाम 'मां वंदे' रखा गया है। इसे वीर रेड्डी एम प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोल मलयालम एक्टर उन्नी मुकुंदन निभाएंगे। जिन्होंने 'मार्को' जैसी फिल्म में काम किया है। वहीं, फिल्म का डायरेक्शन क्रांति कुमार करेंगे। बता दें कि यह फिल्म पीएम मोदी की जीवन यात्रा पर आधारित होगी। इसमें उनके बचपन से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक का सफर दिखाया जाएगा।

बालाघाट में आदिवासी युवक को उठा ले गए नक्सली

गांव में दो पत्र छोड़े, लिखा- पुलिस का मुखबिर होने पर मौत की सजा दी है

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में नक्सलियों ने आदिवासी युवक का अपहरण कर लिया। नक्सलियों ने लाल स्याही से लिखे दो पर्चे छोड़े, जिसमें लिखा है कि पुलिस की मुखबिरी करने पर युवक को मौत की सजा दी गई है। घटना लांजी क्षेत्र के चौरिया गांव की है। आईजी संजय कुमार ने युवक के लापता होने और नक्सली पर्चे मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया, चौरिया गांव के देवेंद्र उर्फ धदू के अपहरण की सूचना मिली है। आशंका है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की मलाजखंड एरिया कमेटी ने उसे अगवा किया है। उन्होंने बताया कि देवेंद्र के मिलने के बाद ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो पाएगी कि यह नक्सलियों ने अपहरण किया है या नहीं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

पहले पत्र में लिखा- मौत की सजा दी गई – गांव में दो पत्र मिले हैं। उसमें देवेंद्र उर्फ धदू को पुलिस मुखबिर बताया गया है। पत्र में लिखा है- देवेंद्र ने माओवादी पार्टी दल की जानकारी 3-4 बार पुलिस को दी थी। वह डेरा ढूंढकर पुलिस को खबर देता था। पुलिस ने ही उसे जंगल में दहान के नाम से बैठाया था। वह पितकोना पुलिस चौकी वालों को दही-दूध भी पहुंचाता था। इन सभी आरोपों की जांच के बाद उसे मौत की सजा दी गई है। नक्सलियों ने ग्रामीणों को पुलिस मुखबिर न बनने की चेतावनी दी है। उन्होंने पत्र में कहा है कि ऐसे मुखबिरों को अपने-अपने गांव में सुधारा जाए।

दूसरे पत्र में पुलिस पर आरोप – दूसरे पत्र में पुलिस पर आरोप लगाया गया है। लिखा है- पुलिस गरीब लोगों को आपस में लड़वाकर मरवाने का काम करती है। पुलिस को सामंतवादी-साम्राज्यवादी ताकतों का रक्षक बताया गया है, जो गरीबों को लूटती है, विस्थापित करती है और विनाश करती है। इसलिए लोगों को पुलिस से दूर रहना चाहिए।

बालाघाट में पुलिस का मिशन-2026 – बता दें, बालाघाट पुलिस जिले में मिशन-2026 के तहत नक्सलियों के खात्मे के लिए लगातार दबाव बनाए हुए है। पुलिस जंगल में नक्सलियों के साथ-साथ लोगों के मन में व्याप्त नक्सली विचारधारा को खत्म करने और उनके नेटवर्क को तोड़ने में जुटी है।

नए साल में भोपाल में दौड़ेगी 100 ई-बसें

अभी 368 में से 95 बस ही चल रहीं; कई रूटों पर बंद

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बुरे हाल में है। पिछले एक साल में ढाई सौ से ज्यादा सिटी बसें बंद हो गईं। वर्तमान में 10 से ज्यादा रूटों पर सिटी बसें दौड़ती नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में अब ई-बसों को जल्दी चलाए जाने को लेकर कवायद तेज हो गई है। नगर निगम का दावा है कि नए साल में शहर में 100 ई-बसें दौड़ने लगेंगी। इसके बाद आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। पीएम ई-बस सेवा के फेस-1 में 100 बसें मिलेंगी। इसके लिए दो नए डिपो संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और कस्तूरबा नगर में बनाए जा रहे हैं। नए बस ऑपरेटर का चयन भी हो चुका है। वहीं, दूसरे फेस में 95 बसें आएंगी। आरिफ नगर और कोलार रोड पर नए डिपो बनेंगे। इसके ऑपरेटर के चयन समेत अन्य प्रक्रिया बाकी है। कल हुई जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सिटी बसों का मुद्दा भी उठा था। 368 में से सिर्फ 95 सिटी बसें चलने पर सांसद आलोक शर्मा ने भी हैरानी जताई। सांसद शर्मा ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से पूछा था कि किस ऑपरेटर की कितनी बसें चल रही हैं, ये बताएं? इतनी संख्या में बसें क्यों बंद हुईं? जबकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को तो बढ़ाना चाहिए। सांसद की बात से विधायक भगवानदास सबनानी ने भी सहमति जताई थी।

पहले बीसीएलएल के जरिए 4 एजेंसी कर रही थीं संचालन

भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में सिटी बसों का संचालन (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) के जरिए 4 एजेंसी कर रही थीं। इनमें मां एसोसिएट्स, एपी मोटर्स, श्री दुर्गांबा और आई-मोबिलिटी एजेंसी शामिल हैं। ये एजेंसियां 25 रूट पर बसें चला रही थीं। इनमें से सबसे पहले पिछले साल 4 जुलाई को मां एसोसिएट्स ने 149 बसों का संचालन बंद किया था। इसकी वजह इन बसों में टिकिट कलेक्शन करने वाली एजेंसी 'चलो एप' की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग थी। इस मामले में कोई निराकरण नहीं हुआ। ऐसे में इन बसों में रोजाना सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। अन्य एजेंसियां भी अपने हाथ पीछे खींचने लगी।

दोगुनी होनी चाहिए बसों की संख्या

एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का मुख्य माध्यम सिटी बसों की संख्या दोगुनी, यानी 800 होनी चाहिए। भविष्य में ई-बसों का संचालन भी होना है, लेकिन उसके उलट भोपाल से बसों की संख्या लगातार कम हो रही है।

सांसद बोले-पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम मजबूत हो – इस मामले में सांसद शर्मा ने कहा, भोपाल का पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत होना चाहिए। जब मैं भोपाल का महापौर था, तब छात्र-छात्राएं, दिव्यांगजन, महिला, सीनियर सिटीजन, कर्मचारियों को महापौर स्मार्ट पास का फायदा किया था। यदि महापौर स्मार्ट पास बनने फिर से शुरू होंगे तो सबको फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्वच्छता के लिए श्रमदान कर 'स्वच्छोत्सव' का किया शुभारंभ

ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नागरिकों को स्वच्छता की दिलाई शपथ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर के एम.वाय. हॉस्पिटल परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ स्वच्छता के लिए श्रमदान किया। उन्होंने इस दौरान नगर निगम इंदौर के ई-वेस्ट कलेक्शन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को प्रदेश में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एम.वाय.हॉस्पिटल के अंदर और बाहर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि एम. वाय. अस्पताल में विकास कार्यों के लिए प्रदेश सरकार हर तरह की मदद देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थिति नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छता के प्रति सजग रहकर सप्ताह में 2 घंटे और वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने की सभी से अपील की। उन्होंने नागरिकों का आहवान किया कि न तो गंदगी करें और न होने दें। 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के लाँचिंग लोगो का विमोचन भी किया।

इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि ई-वेस्ट आज के समय में सबसे गंभीर प्रदूषण कारक अपशिष्ट है, जिसका निपटान यदि वैज्ञानिक पद्धति से न किया जाए, तो यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। नगर निगम इन्दौर द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत ई-वेस्ट संग्रहण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस विशेष अभियान के प्रथम चरण में निगम मुख्यालय, नेहरु पार्क स्थित इंदौर स्मार्ट सिटी ऑफिस में ई-वेस्ट ड्रॉप बॉक्स स्थापित किए गए हैं। इन ड्रॉप बॉक्स में निगम के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी अपने घर अथवा कार्यालय से निकलने वाले अनुपयोगी एवं खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे - मोबाइल, चार्जर, पंखे, कंप्यूटर पार्ट्स, बैटरी, टीवी, रिमोट इत्यादि जमा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम न होकर लगातार जारी रहने वाला विशेष अभियान है। अभियान के आगामी चरणों में नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में चिन्हित स्थानों पर ई-वेस्ट ड्रॉप बॉक्स रखे जाएंगे, जहाँ नागरिक अपने अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कर सकेंगे। साथ ही नगर निगम द्वारा घर- घर से भी वेस्ट कलेक्शन किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अभियान में अपने घर, दुकान एवं कार्यालयों से निकलने वाले पुराने एवं खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को निर्धारित स्थानों पर ही जमा करें।

11 मील पर डंपर और यात्री बस की टक्कर

हादसे के समय बस में सवार थे 20-25 यात्री, तीन को गंभीर चोट आई

भोपाल (नप्र)। भोपाल के खजूरी सड़क थाना इलाके में 11 मील श्याम पैलेस होटल के सामने बस और डंपर की भिड़ंत हो गई। एक ब्रेकर पर डंपर चालक ने अचानक ब्रेक लगाए थे, इससे पीछे से आ रही बीआर ट्रैवल्स की बस डंपर में पीछे से टकरा गई। हादसे के समय बस में 20-25 यात्री सवार थे। इनमें ड्राइवर-कंडक्टर सहित एक यात्री को गंभीर चोट आई है। तीनों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना आज तड़के सुबह करीब चार बजे की है। सुबह पांच बजे तक 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। खजूरी सड़क थाना पुलिस के जवान और ग्रामीण भी रेस्क्यू में शामिल रहे।

उज्जैन से नागपुर जाने के लिए रवाना हुई थी बस – पुलिस के मुताबिक बीआर ट्रैवल्स की बस देर रात उज्जैन से नागपुर जाने के लिए रवाना हुई थी। खजूरी सड़क इलाके में जिकजैक ब्रेकर देख एक डंपर चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस डंपर से टकरा गई।

कैबिन में बैठे तीनों लोग गंभीर घायल – इस हादसे में बस के कैबिन में बैठे ड्राइवर प्रकाश पुरोहित निवासी उज्जैन, कंडक्टर किरण पुत्र राधेश्याम सहित यात्री चेतन पुत्र बाबूलाल निवासी बैरसिया को गंभीर चोट आई हैं। एक दर्जन से अधिक यात्रियों को मामूली चोट थीं। सभी को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, गंभीर घायल तीनों व्यक्तियों का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रकाश और किरण के दोनों पांव फ्रैक्चर हो गए हैं।

बस और डंपर दोनों के चालकों पर होगी कार्रवाई – टीआई नीरज वर्मा के मुताबिक डंपर चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, बिना कॉशनरी कमांड दिए। बस ड्राइवर भी निर्धारित दूरी मैंटेन नहीं कर वाहन चला रहा था। जिससे हादसा हुआ है, लिहाजा दोनों वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

प्रेमियों के साथ मिलकर प्रेमी को मार डाला

नंदिनी की एक और करतूत, जंगल बुलाकर कुचला था बॉयफ्रेंड का चेहरा; ग्वालियर में पति ने गोलियों से भूना था

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में 12 सितंबर को दिनदहाड़े पत्नी की गोली मारकर हत्या करने वाला आरोपी पति पुलिस रिमांड पर है। उससे पूछताछ की जा रही है। इस बीच नंदिनी के भी कारनामे सामने आ रहे हैं। पता चला है कि वह बार-बार बॉयफ्रेंड बदलती थी। जब उसका मन भर जाता, झूठे आरोप लगाकर परेशान करने लगती। ऐसा ही मामला दतिया में 8 साल पहले आया था। 27 अप्रैल 2017 की रात नंदिनी ने बॉयफ्रेंड निमलेश सेन की हत्या करवा दी थी। इस वारदात को उसके 3 अन्य प्रेमियों ने अंजाम दिया था।

गवाहों के पलटने से आरोपी बरी हुए – नंदिनी ने निमलेश को जंगल में एक दरगाह के पास मिलने बुलाया था। यहां उसके प्रेमियों ने निमलेश की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी। भागने के दौरान नंदिनी का दुपट्टा निमलेश के गले में रह गया। जांच में दुपट्टे और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने नंदिनी और उसके एक बॉयफ्रेंड को आरोपी बनाया था। 2023 में नंदिनी सहित सभी आरोपी गवाहों के पलटने से बरी हो गए।

निमलेश का शव पत्थर से कुचला मिला था – सेवढ़ा चुंगी निवासी निमलेश सेन (35) हेयर कटिंग की दुकान चलाता था। 28 अप्रैल की सुबह 9 बजे उसका शव चिरई टोरिया के पीछे खून से लथपथ मिला था। निमलेश को पत्थरों से कुचलकर बेरहमी से

मारा गया था। सूचना पर तत्कालीन थाना प्रभारी सिविल लाइन नरेंद्र शर्मा पुलिस बल के साथ स्पॉट पर पहुंचे थे। पुलिस को निमलेश के फुफेरे भाई बहादुर सेन ने नंदिनी और रानी नाम की महिला के बारे में बताया था। उसी दिन नंदिनी को हिरासत में लिया गया। निमलेश के गले में दुपट्टा फंसा मिला था। जो नंदिनी का बताया जा रहा था।

पहले गुमराह किया, लास्ट कॉल से खुला राज – पकड़े जाने के बाद नंदिनी कुछ भी कबूल नहीं कर रही थी। जब 3 दिन बाद कॉल डिटेल और पीएम रिपोर्ट मिली तो पूरा मामला नंदिनी के खिलाफ चला गया। पता चला कि 27 अप्रैल 2017 की रात 8.40 बजे निमलेश और नंदिनी की मोबाइल लोकेशन हत्या के स्पॉट पर थी। इतना ही नहीं 8.40 पर आखिरी कॉल नंदिनी का था। जब पुलिस ने रिकॉर्ड रखा तो नंदिनी ने कबूल किया कि 6 महीने से उसके निमलेश से संबंध थे। निमलेश उसे दिल्ली ले जाकर कॉल गर्ल बनाकर रुपया कमाने के लिए दबाव डाल रहा था। इस बीच उसके फिरोज खान से संबंध हो गए थे। उसने फिरोज को बताया कि दोनों के बीच निमलेश कांटा बन रहा है, जिसके बाद उसने नए बॉयफ्रेंड फिरोज उर्फ हल्के खां, गणेश कुशवाह, जुनैद और तब्बू खां के साथ मिलकर निमलेश की हत्या करा दी।

झांसी से दतिया होते हुए ग्वालियर का तक सफर – झांसी के चिरगांव स्थित करौल गांव में अधूरे बने मकान में रहने वाली नंदिनी केवट की शादी 10 साल पहले दतिया के रहने वाले गोटीराम केवट से हुई थी, जिससे उसे दो बच्चे हुए। एक पैदा होने के कुछ घंटे बाद मृत हो गया था। इसके डेढ़ साल बाद ही उसकी पति के दोस्त छोटू केवट से दोस्ती हो गई। इसके बाद नवंबर 2016 में नंदिनी का नया बॉयफ्रेंड निमलेश बना। 6 महीने तक निमलेश साथ रहा। वह नंदिनी को आसानी से छोड़ नहीं रहा था। इसलिए उसने अपने नए साथियों के साथ मिलकर निमलेश की हत्या करवा दी। इस केस से बरी होने के बाद नंदिनी झांसी से दतिया होते हुए ग्वालियर आ गई। 2022 में वह अरविंद परिहार के संपर्क में आई। प्यार हुआ और आर्य समाज मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। 2025 में अंकुश पाठक और कल्ले पंचाल से उसके संबंध बन गए।

टहल रहा निगमकर्मी संदिग्ध हालात में छत से गिरा, मौत

खाना खाने के बाद दूसरी मंजिल पर पहुंचा था, जांच शुरू

भोपाल (नप्र)। अयोध्या नगर इलाके में मंगलवार देर रात खाना खाने के बाद छत पर टहल रहे नगर निगम के कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में दो मंजिल से गिरने से मौत हो गई। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अयोध्या नगर पुलिस के मुताबिक नरेला निवासी अशोक ठाकुर पुत्र विजय ठाकुर (38) नगर निगम में ठेका श्रमिक था। मंगलवार की रात खाना खाने के बाद अपने दो मंजिला मकान की छत पर टहल रहा था।

परिजन निजी अस्पताल लेकर गए थे – तभी अचानक वह छत से नीचे गिर गया। उसे खून से लथपथ हालत में परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि अशोक शराब पीने का आदी था।

शराब पीने का आदी था अशोक – घटना के समय भी वह नशे की हालत में था। हालांकि पुलिस का कहना है कि मामले की सभी एंगल पर जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट और जांच में आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

एम.पी. ट्रांसको के पेंशनर्स के लिये अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना हुई ऑनलाइन

● गूगल फॉर्म लिंक की भी सुविधा उपलब्ध

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने अपने पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को बिजली कंपनियों की कैशलेस स्वास्थ्य योजना का लाभ देने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था की गई है। एम.पी ट्रांसको के पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स विश्व के किसी भी कोने से गूगल फॉर्म लिंक के द्वारा भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं। एम.पी. ट्रांसको ने परिवार के सदस्यों के लिए एक हेल्पडेस्क की व्यवस्था भी की है, जहां से आवश्यक जानकारी परिवार के सदस्य प्राप्त कर सकते है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री मुकुल महरोत्रा ने बताया कि कंपनी के 4520 पेंशनर्स के लिए आवश्यक फॉर्म वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिये गये है और इसके अलावा एक समर्पित ईमेल भी क्रिएट किया गया है जिसमें फॉर्म भेजे जा सकते है। श्री महरोत्रा ने आगे बताया कि कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है, पेंशनर्स गूगल फॉर्म लिंक, वेबसाइट या ईमेल के द्वारा सॉफ्ट कॉपी में भी 30 सितंबर 25 तक आवेदन कर पुष्टि के लिये बाद में हार्ड कॉपी किसी भी माध्यम से जमा करवा सकते है। एम.पी. ट्रांसको ने ऐसी व्यवस्था की है कि हार्ड कॉपी के लिए किसी को मुख्यालय जबलपुर आने की बाध्यता नहीं रहेगी। एम.पी. ट्रांसको के प्रदेश भर के सभी संभागीय या वृत कार्यालय तथा इंदौर, भोपाल या जबलपुर स्थित क्षेत्रीय लेखा कार्यालय या डिप्टी डायरेक्टर (पेंशन), मुख्य वित्तीय अधिकारी जबलपुर के कार्यालय में हार्ड कॉपी जमा करवाई जा सकती है।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह की यूनिट ने लगातार बनाया 350 दिन उत्पादन करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट लगातार 350 दिन तक संचालित होने में सफल हुई। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के इतिहास में यह प्रथम विद्युत उत्पादन यूनिट है जिसने लगातार 350 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड स्थापित किया। इस बात की पूरी संभावना है कि अगले 15 दिन में यह यूनिट लगातार 365 दिन का सतत् व निर्बाध विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान बनाएगी। अमरकंटक ताप विद्युत 210 मेगावाट क्षमता की यह यूनिट 1 अक्टूबर 2024 से लगातार विद्युत उत्पादन कर रही है। इससे पूर्व इस यूनिट ने इस यूनिट ने 27 अगस्त 2023 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया था। इस यूनिट के सतत् बिजली उत्पादन करने से प्रदेश की बिजली की आपूर्ति को विश्वसनीय बनाने के पावर जनरेटिंग कंपनी के उद्देश्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभिन्न मापदंडों में भी मिली उपलब्धि-210 मेगावाट की यूनिट ने जिस समय 350 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित किया तब इसने विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। यूनिट ने 98.71 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 95.97 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 9.18 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन की उपलब्धि हासिल की। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई देते हुए उनकी सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है।

स्क्रीनिंग शिविरों में होगी 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में दिव्यांगता की पहचान

● 15 सितंबर से 14 नवंबर 2025 तक चलाया जा रहा है अभियान

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के बच्चों में दिव्यांगता की पहचान एवं त्वरित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र उपलब्ध करने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। यह शिविर 15 सितंबर से 14 नवंबर 2025 तक आयोजित किए जाएंगे। चिन्हित बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार सुविधाएं और परिचय-पत्र मुहैया कराए जाएंगे।

प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि मध्यप्रदेश में हाई कोर्ट के निर्देश पर गठित जुनाईविल जस्टिस कमेटी की अनुशंसा पर 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों में दिव्यांगता की पहचान के लिए शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविरों में जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सूक्ष्म परीक्षण कर प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे। नव चिन्हित दिव्यांग बच्चों को 30 नवंबर तक यूडीआईडी नंबर जारी करने तथा शासन की पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है

श्रीमती वायंगणकर ने बताया कि जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में सभी संबंधित विभाग सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग, जनजाति कल्याण, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा, आयुष, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग शिविरों के आयोजन में भूमिका निभाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 7 से 8 पंचायत का तथा शहरी क्षेत्रों में 5 से 6 वार्डों का एक क्लस्टर बनाकर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित होंगे। ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा शहरी क्षेत्र में आयुक्त नगर निगम को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने पूरा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित कर बढ़ाया गौरव : राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा में समर्पित कर विश्वपटल पर मां भारती का गौरव बढ़ाया है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर शुरू हुए 'सेवा पखवाड़ा' अंतर्गत गोविंदपुरा विधानसभा के ई सेक्टर बरखेड़ा स्थित श्री गणेश मंदिर परिसर में क्षेत्रवासियों के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ यह बात कही। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने नोबेल अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में सम्मिलित होकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा धार में पीएम मित्र पार्क के भूमिपूजन एवं स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ देखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पीएम मित्र पार्क की सौगात से किसानों के जीवन में बड़े परिवर्तन आयेंगे। इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा और टेक्सटाइल हब के रूप में मध्यप्रदेश अपनी पहचान को ज्यादा सुदृढ़ करेगा।

संपादकीय

क्या मोदी नया रिकॉर्ड बनाएंगे?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 75वां जन्मदिन पूरे देश में उल्लास और रचनात्मक आग्रह के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री ने भी इसे किसी अलग समारोह के रूप में न मनाते हुए पीएम के रूप में राष्ट्र के प्रति दायित्वों का निर्वहन करते हुए ही मनाया। मप्र के धार में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास करते हुए उन्होंने लोगों से स्वदेशी अपनाने की अपील की। कुल मिलाकर उन्होंने यही संदेश दिया कि उम्र उनके लिए एक आंकड़ा भर है। वो जिस निष्ठा और समर्पण के साथ देश की सेवा कर रहे हैं, करते रहेंगे। उनके इस संकल्प ने जहां भाजपा में 75 के बाद नेताओं के रिटायरमेंट की सुगबुगाहट को भी ठंडा कर दिया है, वहीं अब तो यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या मोदी प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल का देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू का भी रिकॉर्ड तोड़ेंगे। इस देश में अब तक सबसे लंबे समय तक पीएम रहने का रिकॉर्ड पं. नेहरू और श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम पर ही है। पं. नेहरू लगभग 17 साल तक लगातार पीएम रहे तो श्रीमती गांधी दो हिस्सो में 14 साल तक प्रधानमंत्री रहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी ताजपोशी 9 जून 2024 को हुई थी। लगातार तीसरी बार शपथ लेते ही वह जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी की श्रेणी में शामिल हो गए। आजादी के बाद जवाहर लाल नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। जवाहर लाल नेहरू ने लगातार तीन बार देश की बागडोर संभाली। पंडित नेहरू 1947 से 1964 तक प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने 16 वर्ष, 9 महीने, 13 दिनों तक प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए 27 मई, 1964 को नई दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। चार बार देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा ने 1966 से 1977 तक लगातार तीन कार्यकालों तक देश की सत्ता संभाली थी। 1966 में लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद इंदिरा पहली बार देश की प्रधानमंत्री बनीं। 1967 में हुए चुनाव में जीत दर्ज करके उन्होंने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद 1971 के चुनाव में जीत दर्ज करके इंदिरा ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इंदिरा ने 1975 में आपातकाल लगाया। इसके चलते जो कार्यकाल 1976 में खत्म हो सकता था वह 1977 में आपातकाल खत्म होने तक जारी रहा। उनका चौथा और अंतिम कार्यकाल 1980 से 1984 तक था। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा की उनके घर के बाहर उनके दो अंगरक्षकों ने हत्या कर दी। इस तरह से इंदिरा 15 वर्ष, 11 महीने और 22 दिनों तक देश की प्रधानमंत्री रहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार 26 मई 2014 में प्रधानमंत्री बने थे और उनके नेतृत्व में देश में पहली बार भाजपा अपने दम पर बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, हालांकि उसने गठबंधन को कायम रखा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की ताकत और बढ़ी। तीसरा कार्यकाल पूरा करते ही तीसरे सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता रहेंगे। हालांकि तीसरे कार्यकाल में भी वह इंदिरा के रिकॉर्ड की बराबरी नहीं कर पाएंगे। यानी पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के लिए मोदी को चौथी बार भी पीएम बनना होगा या यूं कहें कि जनता को उन्हें प्रधानमंत्री बनाना होगा। वे रिटायर होंगे, इसकी संभावना न के बराबर है, क्योंकि मोदी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से फिट हैं। सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने भी हाल में स्पष्ट कर दिया है कि राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं होती। देखना यह है कि मोदी का जनता पर जादू कितना कायम रहता है।

नजरिया

अरुण कुमार त्रिपाठी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

संकट में उठने वाले सवाल और लोकतंत्र

आजाद भारतीय राष्ट्र ऐसी केंचुआ-वृत्ति का शिकार अपने संपूर्ण इतिहास में तब भी नहीं हुआ है जब उसके पास संसाधनों की बेहद कमी थी। युद्ध हारने के बावजूद उसने अपने विचार नहीं छोड़े थे। गांधी जी ने 'हिंद स्वराज' में ठीक ही कहा है कि गुलामी संसाधनों की कमी से नहीं आती, लालच और भय से आती है। वह नैतिकता की कमी से आती है। वे कहते हैं भारत को अंग्रेजों ने गुलाम नहीं बनाया। हमने भारत उन्हें सौंप दिया। भारतीय शासक वर्ग और उसके साथ जुड़ा बौद्धिक वर्ग आज भारत को बेचने और सौंपने को तैयार है। जो चाहे, जब चाहे अपने ढंग से उसे झुका ले और खरीद ले। यह सारा खेल राष्ट्रीय हित के नाम पर हो रहा है। ध्यान देने की बात है कि ऐसा तब हो रहा है जब पूरे देश के बौद्धिक क्षितिज पर भारतीय ज्ञान परंपरा का कोहराम मचा है, हालांकि उसमें से भारतीय गणराज्य के आंतरिक मूल्यों और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने का कोई सूत्र प्रकट नहीं होता।

श्रीकांत वर्मा की एक कविता है – 'कोसल में विचारों की कमी है।' अपने समय पर जब भी नजर दौड़ाता हूं तो यह कविता गूंजती है। ऐसा नहीं है कि देश में नीतिवान, श्रुतिवान गुणज्ञों की कमी है, लेकिन वे तात्कालिकता, व्यावहारिकता, पार्टीबंदी, स्वार्थ, व्यक्तियों और कंपनियों के हितों में इस कदर उलझ गए हैं कि उनके पास न तो दिशा देने वाली विश्वदृष्टि बची है और न ही राष्ट्रीय दृष्टि। हमारे दौर की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि धन और शक्ति वाले ही विद्वानों और बौद्धिकों का निर्धारण करते हैं और यही वजह है कि विचार करने वाले भी वही कहते हैं जो उन्हें सुहाए। जो लोग बलवानों की दृष्टि का विरोध करते हैं उनकी संख्या बहुत थोड़ी है और वे भी किसी पार्टी, किसी व्यक्ति या किसी संगठन के दायरे से आगे बढ़कर सोच पाने में अक्षम हैं।

यही वजह है कि हमारा समाज और राष्ट्र एक बेपेंदी का लोटा हो गया है। अमेरिकी झिड़की और अपमान से आहत होकर वह चीन और रूस की ओर भागता है और जैसे ही अमेरिका से थोड़ी सी अनुकूल पुचकार मिलती है वह दोगुने स्वर से उसका गुणगान करने लगता है। वह एक ओर 'ब्रिक्स' (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संगठन) को साधना चाहता है तो दूसरी ओर 'क्वाड' (अमेरिका, भारत, जापान और आस्ट्रेलिया का रणनीतिक मंच) को। वह 'एससीओ' (शंघाई सहयोग संगठन) से जुड़ता है, तो द्वितीय विश्वयुद्ध की 80 वीं चीनी परेड से बच निकलता है। यानी वह खंडित विश्वदृष्टि से अपना और दुनिया का भविष्य संवारना चाहता है और विश्वगुरु भी बनना चाहता है।

आजाद भारतीय राष्ट्र ऐसी केंचुआ-वृत्ति का शिकार अपने संपूर्ण इतिहास में तब भी नहीं हुआ है जब उसके पास संसाधनों की बेहद कमी थी। युद्ध हारने के बावजूद उसने अपने विचार नहीं छोड़े थे। गांधी जी ने 'हिंद स्वराज' में ठीक ही कहा है कि गुलामी संसाधनों की कमी से नहीं आती, लालच और भय से आती है। वह नैतिकता की कमी से आती है। वे कहते हैं भारत को अंग्रेजों ने गुलाम नहीं बनाया। हमने भारत उन्हें सौंप दिया। भारतीय शासक वर्ग और उसके साथ जुड़ा बौद्धिक वर्ग आज भारत को बेचने और सौंपने को तैयार है। जो चाहे, जब चाहे अपने ढंग से उसे झुका ले और खरीद ले। यह सारा खेल राष्ट्रीय हित के नाम पर हो रहा है। ध्यान देने की बात है कि ऐसा तब हो रहा है जब पूरे देश के बौद्धिक क्षितिज पर भारतीय ज्ञान परंपरा का कोहराम मचा है, हालांकि उसमें से भारतीय गणराज्य के आंतरिक मूल्यों और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने का कोई सूत्र प्रकट नहीं होता।

पिछले दिनों '12 वें क्रिएटिव थ्योरी कोलोकियम' में योगेंद्र यादव ने इस बात पर जोर देकर कहा कि आज हमारा गणराज्य ढह रहा है। वह जिन विचारों, मूल्यों और सिद्धांतों पर खड़ा हुआ है वे सब एक-एक कर ढहाए जा रहे हैं। इसके लिए वे ही दोषी नहीं हैं जो ठगी की राजनीति करते हैं। दोषी वे भी हैं जो विचार और सिद्धांत का निर्माण करते हैं और संविधान की बात करते हैं। सवाल उठता है कि ऐसा क्यों हो रहा है? इसे कैसे रोका जा सकता है?

संकट में उठने वाले यही सवाल नए राजनीतिक विचारों और सिद्धांतों को जन्म देते हैं। आधुनिक भारत के राजनीतिक सिद्धांतकारों से उनकी शिकायत है कि वे इन आरोपों का जवाब नहीं दे पाए कि हमारा आधुनिक गणराज्य यूरोप की नकल पर खड़ा हुआ है, उसकी भारतीय जड़ें नहीं हैं। हमारे सिद्धांतकार इन आरोपों के विपरीत ऐसे विचारों की इमारत खड़ी नहीं कर पाए कि हमारे आधुनिक लोकतंत्र की संस्थाओं की जड़ें यूरोप में नहीं, 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' और बीसवीं सदी के विचारकों के जीवन और सिद्धांतों में हैं।

हालांकि गणतंत्र के विदेशी होने के आरोप का जवाब गांधी, आंबेडकर, लोहिया और नेहरू ने अपने-अपने ढंग से दिया है, पर हमारे सिद्धांकारों ने उसे पश्चिमी सिद्धांतों की कसौटी पर खरा उतारने पर जितना समय खर्च किया, उतना भारतीय यथार्थ और बीसवीं सदी के चिंतन पर कसने का प्रयास नहीं किया। योगेंद्र ने सही सवाल उठाया कि पश्चिम का कौन सा राजनीतिक सिद्धांतकार है जो अपनी भाषा और जमीन से पूरी तरह कटकर विचार करता है? इसीलिए भारतीय भाषाओं को त्यागकर सिद्धांत गढ़ना एक प्रकार का स्कैंडल यानी घोटाला है। यह तेवर गांधी के उस भाषण में भी था जो उन्होंने चार फरवरी 1916 को 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' में दिया था। गांधी उस सभा में हिंदी में बोले थे जहां सब लोग अंग्रेजी में अपना व्याख्यान दे रहे थे। जिस भाषण को सुनने के बाद जनता गदगद हो गई थी और एनी बेसेंट से लेकर सारे मंचासीन लोग उखड़ गए थे।

हमारे बीसवीं सदी के विचारकों ने जिस तरह के भारत की कल्पना की थी और उसके लिए जिस राजनीतिक परंपरा की नींव डाली और जो संविधान बनाया वह यूरोपीय तर्ज का गणतंत्र नहीं था। भले ही उसका बाहरी ढांचा कुछ यूरोपीय देशों से मिलता हो, लेकिन उसके पीछे का दर्शन अपने में अद्वितीय था। भारत जिस तरह का देश पहले था और विभाजन व आजादी के बाद उसकी जो संरचना बनी, वह भी काफी हद तक यूरोपीय मॉडल से भिन्न थी।

यूरोपीय समाज इतनी विविधता की कल्पना कर ही नहीं सकता, न ही वह इसे सह सकता है, लेकिन विडंबना है कि जिस पार्टी ने देश की आजादी और आधुनिक गणतंत्र के निर्माण की लड़ाई लड़ी, वह उन खतरों और दायित्वों के प्रति बेफिक्र हो गई जिसके बारे में हमारे पुरखों ने चेताया था। अगर ऐसा न होता तो भारत जैसे प्राकृतिक संसाधन संपन्न और विविधता वाले देश को लूटने के लिए 'उदारीकरण' की ऐसी नीति न चलाई गई होती, जिसमें लोकतंत्र पर ही सवालिया निशान लगने लगे।

दूसरी ओर एक ऐसा विचार और संगठन पनपा जिसकी भारतीयता की अवधारणा यूरोपीय नकल में गढ़े गए राष्ट्र-राज्य के इतिहास और उससे निकली दृष्टि पर आधारित थी। वह एक प्रकार से हीनताबोध से ग्रसित दृष्टि है जो लगातार अपनी श्रेष्ठता साबित करने में लगी रहती है। वह राष्ट्रीय एकता की जितनी बात करती है, उतना ही उसे खंडित करती है। वास्तव में संविधान और स्वतंत्रता आंदोलन के विचारों को विदेशी नकल बताने वाले न तो भारतीय आत्म को समझते हैं और न ही स्वदेशी और स्वराज को। उनके लिए आजादी, स्वराज और स्वदेशी महज नारा है जिसका नैतिकता की बजाए रणनीति से लेना-देना है।

वे धर्म को नैतिकता और अध्यात्म से निकालकर अंधविश्वास और कट्टरता में डुबो देना चाहते हैं। इसी दृष्टि से निकला है यह दक्षिणपंथी बयान कि गांधी एक 'चालाक बनिया' था। इसी बात को वामपंथी नजरिए से गांधी को समझने में लगे लोग थोड़ा सभ्य भाषा में कहते हैं कि गांधी रणनीतिकार बड़े थे। यानी गांधी अधिक-से-अधिक चाणक्य और मैकियावेली की श्रेणी में रखे जा सकते हैं। उन्हें एक विराट नैतिक मानव और पूरी मानवता के दार्शनिक की श्रेणी में रखने का कोई मतलब नहीं है। उन्हें मसीहा मानने का भी कोई मतलब नहीं है।

मानवीय मूल्यों को जीवन का अनिवार्य विश्वास मानने की बजाय रणनीति मानने के इस चलन ने मूल्यों को धीरे-धीरे मर जाने दिया। उनकी जगह बाजार, प्रौद्योगिकी-जनित लाभ, सत्ता-जनित सुख और परपीड़ा स्थापित हो गए। हम प्रौद्योगिकी में होने वाले परिवर्तन को क्रांति और व्यवस्था परिवर्तन मानने लगे। दूसरी ओर राजनीतिक तौर पर सत्ता परिवर्तन को ही अभीष्ट मान लिया गया। सिर्फ 'हंगामा खड़ा करना' ही हमारा मकसद रह गया। 'सूरत बदलने' की कोशिशें दकियानूसी कही जाने लगीं। नतीजतन एक ओर सांप्रदायिकता हमारे गणतंत्र पर चढ़ बैठी तो दूसरी ओर जातिवाद और उन सबसे ऊपर 'याराना (क्रोनी) पूंजीवाद' हावी हो गया।

नील पोस्ट ने प्रौद्योगिकी के आगे संस्कृति यानी श्रेष्ठ मानवीय मूल्यों के समर्पण की अवस्था को 'टेक्नोपोली' की संज्ञा दी है। यह वह अवस्था है जहां हर चीज प्रौद्योगिकी के सहारे तय होंगी। विश्वविद्यालयों से लेकर तमाम दूसरे संस्थानों तक फैले प्रौद्योगिकी के इस जाल ने मानवीय गुणों और रचनात्मकता को मशीन में बदल दिया है। हम ऐसी सभ्यता बन गए हैं जहां भले ही तात्कालिक रूप से हमारी विजय भी हो जाए, लेकिन जिस ढलान पर जा रहे हैं उसमें 'कोसल' अधिक दिनों तक ठहर नहीं सकता। क्योंकि 'कोसल' में विचारों की कमी है। (सप्रेस)

मानसिक सेहत

कुमार सिद्धार्थ
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

नई सदी की सबसे बड़ी चुनौती अकेलापन व अवसाद

आपने कभी सोचा है कि अकेलापन सिर्फ एक भावनात्मक अनुभव नहीं, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के लिए उतना ही हानिकारक हो सकता है जितना धूम्रपान या मोटापा? बुजुर्गों में यह हृदय रोग का कारण बन सकता है, और मजबूत सामाजिक संबंध मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। एक शोध समीक्षा बताती है कि 18 से 29 वर्ष की उम्र में अकेलापन अपने चरम पर होता है। हर तीन में से एक युवा इस अनुभव से गुजरता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। वास्तव में, 2024 के एक अध्ययन में पाया गया कि अकेलेपन से आत्महत्या के जोखिम को 16 गुना तक बढ़ा सकता है ।

यही नहीं, हार्वर्ड की एक रिपोर्ट बताती है कि 18-25 वर्ष के हर तीन में से एक युवा अकेला महसूस करता है, और उनमें से आधे से ज़्यादा ने यह माना कि उनके जीवन में उद्देश्य या अर्थ की कमी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल वैश्विक स्तर पर 8 लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों की संख्या इससे लगभग 20 गुना अधिक होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की भावना आत्महत्या के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक हो सकती है।

अब ज़रा वृद्धावस्था की ओर देखिए। शोध बताते हैं कि अकेलेपन से डिमेंशिया का खतरा 31 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। 'नेचर मेंटल हेल्थ' में प्रकाशित एक रिपोर्ट कहती है कि जो लोग अकेलेपन से जूझते हैं, उनमें भूलने की बीमारी (डिमेंशिया) होने की संभावना अधिक होती है। फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर मार्टिना लुचेती बताती हैं कि सामाजिक संपर्क की कमी और कम दोस्त होने से मेमोरी लॉस यानी याददाश्त खोने की समस्या बढ़ सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या यह सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य तक सीमित है? नहीं। 2018 के एक अध्ययन ने दिखाया कि अकेलापन स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी और कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा 29 फीसदी तक बढ़ा सकता है। जब लोग अकेला महसूस करते हैं, तो तनाव बढ़ जाता है, जिससे हाई बीपी और सूजन जैसी समस्याएँ जन्म लेती हैं।

शोध बताते हैं कि यदि अकेलेपन को कम किया जाए, तो अवसाद के मामलों में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। इसके लिए हमें सामुदायिक और व्यक्तिगत स्तर पर सक्रिय प्रयास करने होंगे। जब कोई व्यक्ति सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेता है या सामाजिक समूहों से जुड़ता है, तो वह खुद को अधिक जुड़ा हुआ महसूस करता है। मनोवैज्ञानिक परामर्श और थेरेपी भी उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, जो लंबे समय से अकेलेपन का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, डिजिटल प्लेटफार्मों का सही उपयोग करके परिवार और दोस्तों से जुड़े रहना, भावनात्मक मजबूती प्रदान कर सकता है।

ऐसे में, सामाजिक अलगाव और अकेलापन स्वास्थ्य और सामाजिक नीति अनुसंधान के महत्वपूर्ण विषय बन गए हैं।

दुनिया के कुछ देशों ने नई सदी के इस संकट को पहचाना है। अमेरिकी सरकार ने अकेलापन, सामाजिक अलगाव और सामाजिक संपर्क बढ़ाने के समाधान के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया है। अमेरिकी सरकार की तरफ से पिछले साल मई में जारी एक रिपोर्ट कहती है कि महामारी से पहले भी देश के वयस्कों की लगभग आधी आबादी औसत स्तर के अकेलेपन से जूझ रही थी। डेनमार्क सरकार ने भी अकेलेपन को कम करने के लिए एक राष्ट्रीय पहल शुरू की है। इसमें सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने और सामाजिक एकांत के प्रभावों को कम करने पर जोर दिया गया है। ब्रिटेन भी 2018 में ऐसा कर चुका है। पिछले पांच वर्षों में यहां कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे सरकारी अस्पतालों के रिसेप्शनिस्टों को अकेलेपन से जूझ रहे मरीजों की पहचान और उनके साथ बातचीत करने के सही तरीके बताने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक गंभीर जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में स्वीकार किया है, जो दुनिया की एक चौथाई आबादी को प्रभावित कर रही है। यह केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक ऐसी स्वास्थ्य चुनौती है, जो दीर्घकाल में कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों को जन्म दे सकती है।

इससे निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक वैश्विक आयोग की घोषणा की। इस आयोग में कुल 11 सदस्य शामिल हैं, जिन्हें तीन महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं वैश्विक स्तर पर सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता देने के लिए एक स्पष्ट एजेंडा तैयार करना, अकेलेपन और सामाजिक अलगाव के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता फैलाना, साक्ष्य-आधारित समाधानों के लिए विभिन्न देशों, संगठनों और नीति-निर्माताओं के साथ सहयोग करना।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का यह कदम अकेलेपन को एक गंभीर स्वास्थ्य संकट के रूप में पहचानने और इसे कम करने के लिए ठोस प्रयासों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोग दुनिया भर में सामाजिक संबंधों को मजबूत करने और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभावों को बढ़ावा देने का काम करेगा।

तो, क्या भारत में भी इस दिशा में कदम उठाने की ज़रूरत है? यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि यहाँ अकेलापन केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरीकरण, डिजिटल लाइफस्टाइल और सोशल मीडिया की अधिकता के कारण युवा भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 50 प्रतिशत बुजुर्ग अकेलापन महसूस करते हैं, और यह उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। पर इससे बचने के उपाय क्या हैं? शोध बताते हैं कि सामाजिक सहभागिता बढ़ाने से, परिवार और दोस्तों से जुड़े रहने से, मनोवैज्ञानिक परामर्श लेने से और नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने से अकेलापन कम किया जा सकता है।

भारत में अकेलेपन और अवसाद से निपटने के लिए वर्तमान में कोई विशिष्ट राष्ट्रीय नीति नहीं बनी है, जबकि कई अन्य देशों ने इस दिशा में पहल की है। 2015-2016 में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी 'नेशनल मेंटल हेल्थ सर्वे' में भी अकेलेपन का जिक्र नहीं किया गया। हालांकि, मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के लिए सरकार ने कई पहलें की हैं। 2017 में, 'मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम' लागू किया गया, जो मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को सुनिश्चित करता है और मानसिक रोगियों के अधिकारों की रक्षा करता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। वहीं वर्तमान में, भारत में बुजुर्गों से संबंधित दो राष्ट्रीय नीतियां मौजूद हैं, लेकिन उनमें भी अकेलेपन पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। 1999 में जारी 'राष्ट्रीय बुजुर्ग नीति' में अकेलेपन का जिक्र सिर्फ एक बार हुआ है।

अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की बढ़ती समस्या को देखते हुए, भारत में भी एक समग्र नीति की आवश्यकता महसूस की जा रही है, जो मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक समर्थन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हो। इन नीतियों में सामुदायिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करना, मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना, और सामाजिक समर्थन नेटवर्क को मजबूत करना शामिल हो सकता है। इससे न केवल मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ेगी, बल्कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता भी बढ़ेगी। सवाल सिर्फ यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल
लेखक व्यंग्यकार हैं।

कन्फ्यूजिया गये रे ?

मानव जीवन में कन्फ्यूज़न कहां नहीं है,होश संभालते ही बच्चे, बड़े, बूढ़े सभी कन्फ्यूज़िया रहे हैं। आदमी अपने पारिवारिक कारोबार को लेकर कन्फ्यूज़ है, कि पता नहीं वैश्वीकरण की उदारवादी नीतियां कब उसके पैतृक व्यवसाय को समूचा निगल जायें और फिर राजस्व अधिकारी की तरह डकार भी न लें। बच्चे कन्फ्यूज़ हैं कि मगजमारू पढ़ाई लिखाई के बाद भी नौकरी मिलेगी या नहीं? नौकरी न मिली तो फिर छोकरी भी गई हाथ से। जवान कन्फ्यूज़ है कि कर्ज लेकर किसी नए व्यवसाय का रिस्क लें या न लें।लें तो किसके भरोसे? चलायमान तो पांच साल में चले जायेंगे बैंक का कर्जा बना रहेगा। नेताओं की जगह बाप के भरोसे रहें तो कोई कन्फ्यूज़न तो नहीं रहेगा।

कन्फ्यूज़न तो होता है जब पता चलता है ज़िन्दा आदमी रोज़गार की तलाश में मारा मारा भटक रहा है और मरे हुए मनरेगा में रोजी रोटी कमा रहे हैं।संशय और गफ़लत में आम आदमी हमेशा रहा है और परम पिता परमेश्वर व अल्ला ताला की दुआ से आगे भी रहेगा। गरीबी हटाओ का नारा देने वाले अपनी गरीबी दूर करने में लग जाते हैं गरीब को मिलता है ठेंगा। फिर भी हर बार अच्छे दिनों के कन्फ्यूज़न में वोट दे आता है। कन्फ्यूज़न तो क्रिऐट होता ही है जब देश के नौजवानों के लिए रोजगार बढ़ाना है कहकर उन्होंने भाई, भतीजों, सालों, बहनोइयों को रोजगार से लगा देते हैं। शासकीय धन और योजनाओं से पार्टी का विस्तार लोकतंत्र का अनछुआ पहलू है। आम आदमी? आदमी है या उल्लू का पट्ठा, कितने साल से कन्फ्यूज़ है? असमंजस और अनिर्णय की स्थिति यूनानी आक्रमण से लेकर आज तक मुंह बाये खड़ी है। बदलते समीकरणों में किसके पांव छुएं और किसके घर में अचार डालें कुछ समझ में नहीं आता।

शुरु शुरु में दर्शन शास्त्र का विद्यार्थी नहीं समझ पाता कि आत्मा परमात्मा का ही अंश है या आत्मा ही परमात्मा है, या फिर अद्वैत में ही द्वैत या द्वैत में ही अद्वैत समाहित है। वह भी जनधारणानुसार ब्रम्ह और जगत को दो समझता है। जब उसकी समझदारी बढ़ने लगती है तब लगता है कि जगत भी ब्रम्ह का ही विस्तार है। जगत उसी निराकार का साकार रुप है। इसी तरह भांति भांति के कन्फ्यूज़न मानव जीवन में तारामण्डलों की तरह बनते बिगड़ते रहते हैं। यों इनका प्रत्यक्ष प्रभाव मानव जीवन पर दृष्टिगत नहीं होता फिर भी समाचार पत्रों में प्रकाशित व टी. वी. चैनलों से प्रसारित समाचार समय समय पर सभी को कन्फ्यूज करने की महती भूमिका का निर्वहन करते हैं। इनके एंकर एक ही सवाल को घुमा फिरा कर इतनी बार पूछते हैं कि एक्सपर्ट खुद कन्फ्यूज़ होकर अलग अलग जवाब देने लगते हैं। दर्शकों व श्रोताओं का कन्फ्यूज़ होना जायज है।

कोई त्यौहार आता है तो कन्फ्यूज़न होने लगता है। कई बार यह कन्फ्यूज़न क्रिएट किया जाता है।आज है या कल, कल है या परसों। कन्फ्यूज़न क्रिएट करने के लिए उधार बैठे विशेषज्ञ अलग अलग टी. वी. चैनलों पर अपना विशेष योगदान देने में जुट जाते हैं। होली है तो कब जलायें? कब खेलें? अंग्रेजी तारीखों में तिथियों का भ्रम इन्हें बौद्धिक बल और अनिवर्चनीय साहस प्रदान करता है। राखी कब हे और ीद्रा का साया कब तक? पूर्णिमा किस लग्न तक है। किस घटी पल तक मंद बुद्धि ,तुच्छ बुद्धि तो छोड़िये पढ़े लिखे भी गंवारपने पर उतर आते हैं। शुभ की लालसा और अशुभ की आशंका से चौकन्ने चतुर ,सामान्य जन को ऐसे चौराहे पर खड़ा कर देते हैं जहां उसे कोई मार्ग नहीं सूझता। शुभ-अशुभ मुहूर्त के परिणाम और दुष्परिणाम की भविष्यवाणी पर ग़ौर फरमाने वालों को भी अपने परिजन की मृत्यु के बाद दाह संस्कार के लिए लग्न मुहूर्त निकलवाते नहीं देखातब घर के आदमी को घर के बाहर निकालने की होड़ सी लग जाती है।

भ्रम फैलाने में बड़ी-बड़ी कम्पनियां भी पीछे नहीं रहना चाहतीं। एक एड में एक विदेशी नस्ल का कुत्ता देशी नस्ल की नई पीढ़ियों को समझाता है कि उसकी कम्पनी का नेटवर्क सबसे उम्दा और अच्छा है। बाकी सब घास कूड़ा है।अब अच्छे दिनों का मतलब यह तो नहीं कि उसकी बात पर भरोसा करने लगें? एक अन्य एड में एक खूबसूरत सिने तारिका अपनी खूबसूरती का राज लुटाते हुए कहती है-''फलां साबुन ,बस जरा सा।''लेकिन राज राज बना रहे इसलिए यह नहीं बताती कि जरा सा साबुन कितना लगाना है? कितनी देर लगाना है? लोग आधी अधूरी बात से कन्फयूज हो जाते हैं। एक एड में शब्दकोष को चुनौती देते हुए कहा जाता है-ठन्डा मतलब झोलमझोला। एक एड के अनुसार एक खास कम्पनी का अण्डरवियर पहनने वाले ही प्रभावी पुरुष माने जाते हैं।इनका दर्शकों पर कितना प्रभाव पड़ता है,इस पर बहस की संभावना के बावजूद कन्फ्यूज़न तो होता ही है।

पितृ पक्ष

प्रमोद भार्गव
लेखक पत्रकार हैं।

दाह-क्रिया एवं श्राद्ध कर्म का विज्ञान

जीवन का अंतिम संस्कार अंत्येष्टि संस्कार है। इसी के साथ जीवन का समापन हो जाता है। तत्पश्चात भी अपने वंश के सदस्य की स्मृति और पूर्वजन्म की सनातन हिंदू धर्म से जुड़ी मान्यताओं के चलते मृत्यु के बाद भी कुछ परंपराओं के निर्वहन की निरंतरता बनी रहती है। इसमें श्राद्ध क्रिया की निरंतरता प्रतिवर्ष रहती है। इस क्रिया को हम अपने दिवंगतों के प्रति आदर का भाव प्रकट करने का माध्यम भी कह सकते हैं। वैसे मृत्यु से लेकर श्राद्ध कर्म तक जो भी क्रियाएं अस्तित्व में हैं, उनके पीछे शरीर और प्रकृति का विज्ञान जुड़ा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। श्राद्ध की मान्यता आत्मा के गमन से जुड़ी है। चूड़ामण्युनिशद् में कहा है कि ब्रह्म अर्थात् ब्रह्मांड के अंश से ही प्रकाशमयी आत्मा की उत्पत्ति हुई है। इस आत्मा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी की उत्पत्ति हुई। इन्हीं पांच तत्वों के समन्वित रूप से मनुष्य व समस्त प्राणी जगत और ब्रह्मांड के सभी आयाम अस्तित्व में हैं। अतएव हिंदुओं के अंत्येष्टि संस्कार में मृत शरीर को अग्नि में समर्पित करके पांचों तत्वों में विलीन करने की परंपरा है।
आत्मा या शरीर के अंशों के इस विलय को संस्कृत में 'प्रैतौं' कहा है। इसे ही बोलचाल की भाषा में 'प्रेत' कहा जाने लगा। इसे ही धन के लालचियों ने भूत-प्रेत या अतीन्द्रीय शक्तियों की हानि पहुंचाने वाली मानसिक व्याधियों से जोड़ दिया। जबकि शरीर में आत्मा के साथ-साथ मन व प्राण भी होते हैं। आत्मा के अजर-अमर रहने वाले अस्तित्व को अब विज्ञान ने भी स्वीकार लिया है। मन और प्राण जब शरीर से मुक्त होते हैं, तब भी शरीर में इनका असर बना रहता है। इस कारण ये शरीर के चहुंओर भ्रमण करते रहते हैं। मन चंद्रमा का प्रतीक माना है। भारतीय दर्शन में इसीलिए स्थूल व सूक्ष्म शरीर की कल्पना कर विवेचना की गई है। पितृपक्ष की अवधि में ऐसी धारणा है कि मृतकों के सूक्ष्म अंश श्राद्ध की अवधि में परिजनों के इर्द-गिर्द मंडराते रहते हैं और श्राद्ध क्रिया से संतुष्ट होकर लौट जाते हैं। इसलिए संपूर्ण शरीर सत्रह सूक्ष्म इंद्रियों का आवास होता है। इनमें पांच कर्मेन्द्रियां, पांच ज्ञानेंद्रियां, पांच प्राणेंद्रियां, एक मन और एक बुद्धि है। यही इंद्रियां छह धातुओं त्वचा, रक्त, मांस, मेदा, मज्जा और अस्थि निर्मित स्थूल शरीर में प्रवेश कर उसे संपूर्ण बनाती हैं। अतएव स्थूल शरीर से जब ये सूक्ष्म इंद्रियां निकलती हैं, तब सूक्ष्म शरीर की रक्षा के लिए वायवीय अर्थात् वायुचालित या काल्पनिक शरीर धारण कर लेती हैं। इसे ही प्रेत-संज्ञा दी गई है। यह वायु तत्व से प्रधान शरीर माया-मोह से मुक्त नहीं होने के कारण परिजनों के निकट भटकता रहता है। इसी प्रेतत्व से छुटकारे का उपाय दशगात्र एवं श्राद्ध आदि क्रियाएं हैं।
हिंदुओं में दाहक्रिया के समय कपाल क्रिया प्रचलन में है। गरुड़ पुराण के अनुसार शवदाह के समय मृतक की खोपड़ी को घी की आहुति देकर डंडे से प्रहार करके फोड़ा जाता है। चूंकि खोपड़ी का अस्थिरूपी कवच इतना मजबूत होता है कि सामान्य आग में वह आसानी से भस्मीभूत नहीं हो पाता है। इसलिए उसे घी डालकर टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाता है, जिससे यह भाग पूर्णरूप से पंचतत्वों में विलय हो जाए। इस क्रिया के प्रचलन से मान्यता जुड़ी है कि कपाल का भेदन हो जाने से प्राण तत्व पूरा तरह मुक्त हो जाते हैं और पुनर्जन्म की प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं। इस विषयक एक मान्यता यह भी है कि यदि मस्तिष्क का भाग अधजला रहेगा तो अगले जन्म में शरीर पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाएगा। मस्तिष्क में ब्रह्मा का निवास माना गया है, जो ब्रह्मरंध्र में प्राण के रूप में स्थिर रहता है। ऐसा माना जाता है कि शिशु जब गर्भ में जीवन ग्रहण करता है तो वह इसी रंध्र से होकर भ्रूण के शरीर में प्रवेश पाता है। यह बिंदु सिर के सबसे ऊपरी भाग में होता है। इसी भाग पर चोटी रखने का विधान है। यह भाग अत्यंत मुलायम होता है। चूंकि जीवन इस छिद्र से होकर शरीर में प्रवेश करता है, इसलिए कपाल क्रिया के माध्यम से इसे संपूर्ण रूप से बाहर निकालने का विधान किया जाता है, जिससे शरीर में पूर्व की कोई स्मृति शेष न रह जाए। इसे भौतिक शरीर का एंटीना भी कह सकते हैं।
इस ब्रह्मरंध्र का सबसे प्राचीन विज्ञान-सम्मत उल्लेख महाभारत में मिलता है। अश्वत्थामा जब पाण्डवों के वंशनास के लिए अभिमन्यु की गर्भवती पत्नी उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र छोड़ देते हैं, तब उत्तरा की कोख से मृत शिशु जन्मता है। परंतु कृष्ण जब उस शिशु को हथेलियों में लेते हैं, तो उन्हें उसमें जीवन का अनुभव होता है। वे तुरंत शिशु के मुख में अपने मुख से वायु प्रवाहित करते हैं। इससे श्वास नली में स्थित काकुली में ब्रह्मरंध्र अवरुद्ध हो गया था, वह खुल गया और शिशु के प्राणों में चेतना लौट आई। ब्रह्मरंध्र तीव्र ध्वनि तरंगों के आवेग और क्रोध से अवरुद्ध हो जाता है।
गंगा में अस्थियों के विसर्जन के पीछे भी विज्ञान सम्मत धारणा है। चूंकि अस्थियों में बड़ी मात्रा में फास्फोरस होता है, जो भूमि को उर्वरा बनाने का काम करता है। गंगा का प्रवाह आदिकाल से भूमि को उपजाऊ बनाए रखने के लिए उपयोगी रहा है। अतएव हड्डियों का गंगा में विसर्जन खाद का काम करता है। इससे तय होता है कि ऋषि-मुनियों ने अस्थियों में फास्फोरस उपलब्ध होने और उससे उपज अच्छी होने के महत्व को जान लिया था।

हिंदू धर्म में अंतिम संस्कार पुत्र से ही कराने की मान्यता है। दरअसल पुत्र चूंकि पिता के वीर्यांश से उत्पन्न है, अतएव वह पिता का प्रतिनिधित्व करने का वाहक भी है। ब्रह्मा ने बालक को पुत्र कहा है। मनुस्मृति में 'पुं' नामक नरक से 'त्र' त्राण दिलाने वाले प्राणी को 'पुत्र' कहा है। इसी नाते यह पिंडदान एवं श्राद्धादि कर्म का दायित्व पुत्र पर है। हालांकि पुत्र नहीं होने पर पुत्री से भी ये संस्कार कराए जा सकते हैं। चूंकि हिंदू दर्शन मानता है कि मृत्यु के साथ मनुष्य का पूर्णत: अंत नहीं होता है। मृत्यु द्वारा आत्मा शरीर से पृथक हो जाती है और वायुमंडल में विचरण करती है। हालांकि यही आत्मा मनुष्य के जीवित रहते हुए भी स्वप्न-अवस्था में शरीर से अलग होकर भ्रमण करती है, लेकिन शरीर से उसका अंतर्संबंध बना रहता है। रुग्णावस्था में भी आत्मा और शरीर का अलगाव बना रहता है। लेकिन मृत्यु के बाद आत्मा पूर्णत: पृथक हो जाती है। ऋग्वेद में कहा भी गया है कि 'जीवात्मा अमर है और प्रत्यक्षत: नाशवान है। इसे ही और विस्तार से श्रीमद्भगवद्गीता में उल्लेखित करते हुए कहा है, आत्मा किसी भी काल में न तो जन्मती है और न ही मरती है। जिस तरह से मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर नए वस्त्र धारण कर लेता है, उसी अनुरूप जीवात्मा मृत शरीर त्याग कर नए शरीर में प्रवेश कर जाता है।
आत्मा की अमरता और पुनर्जन्म की धारणा को अब वैज्ञानिकों ने भी सिद्ध कर दिया है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के गणित व भौतिकी के प्राध्यापक सर रोगर पेनरोज और एरीजोन विवि के भौतिक विज्ञानी डॉ स्टूअर्ट हामरॉफ ने दो दशक अध्यरत रहने के बाद स्वीकारा है कि 'मानव-मस्तिष्क एक जैविक कंप्यूटर की भांति है। इस जैविक संगणक की पृष्ठभूमि में अभिकलन (प्रोग्रामिंग) आत्मा या चेतना है, जो दिमाग के भीतर उपलब्ध एक कणीय (क्रांटम) कंप्यूटर के माध्यम से संचालित होती है। इससे तात्पर्य मस्तिष्क कोशिकाओं में स्थित उन सूक्ष्म नलिकाओं से है, जो प्रोटीन आधारित अणुओं से निर्मित हैं। बड़ी संख्या में ऊर्जा के सूक्ष्म स्रोत अणु मिलकर एक क्रांटम क्षेत्र तैयार करते हैं, जिसका वास्तविक रूप चेतना या आत्मा है। जब व्यक्ति दिमागी रूप से मृत्यु को प्राप्त होने लगता है, तब ये सूक्ष्म नलिकाएं क्रांटम क्षेत्र खोने लगती हैं। परिणामत: सूक्ष्म ऊर्जा कण मस्तिष्क की नलिकाओं से निकलकर ब्रह्मांड में चले जाते हैं। यानी आत्मा या चेतना की अमरता बनी रहती है।
इसी क्रम में प्रसिद्ध परामनोवैज्ञानिक डॉ रैना रूथ ने पदार्थगत रूपांतरण को ही पुनर्जन्म माना है। उनका कहना है कि पदार्थ और ऊर्जा दोनों ही परस्पर परिवर्तनशील हैं। ऊर्जा नष्ट नहीं होती, परंतु रूपांतरित व अदृश्य हो जाती है। इसीलिए डीएनए यानी महारसायन मृत्यु के बाद भी संस्कारों के रूप में अदृश्य अवस्था में उपस्थित रहता है और नए जन्म के रूप में पुन: अस्तित्व में आ जाता है। हमें जो विलक्षण प्रतिभाएं देखने में आती हैं, वे पूर्वजन्म के संचित ज्ञान का ही प्रतिफल होती हैं। अतएव कहा जा सकता है कि जीवात्मा वर्तमान जन्म के संचित संस्कारों को साथ लेकर ही अगला जन्म लेती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जीन्स (डीएनए) में पूर्वजन्म या पैतृक संस्कार मौजूद रहते हैं, इसी शेष से निर्मित नूतन संरचना के चैतन्य अर्थात् प्रकाशकीय भाग को प्राण कहते हैं। आधुनिक विज्ञान तो जीवन-मृत्यु के रहस्य को आज समझ पाया है, किंतु हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों साल पहले ही शरीर और आत्मा के इस विज्ञान को समझकर विभिन्न संस्कारों से जोड़ दिया था, जिससे रक्त संबंधों की अक्षुण्णता जन्म-जन्मांतर स्मृति पटल पर अंकित रहे।

श्राद्ध पक्ष में कौओं का भोजन

बरगद और पीपल के वृक्षों को देववृक्ष माना जाता है। क्योंकि वे हमें प्राणवायु अर्थात् ऑक्सीजन और रोगमुक्त शरीर के लिए औषधियां देते हैं। इन सब के लिए इन पेड़ों का अस्तित्व बनाए रखना है तो कौओं को श्राद्ध पक्ष में खीर-पुड़ी खिलाने होंगे। श्राद्ध पक्ष में पंचबलि अर्थात् पांच जीवों को आहार कराने की परंपरा है। इनमें एक काल बलि यानी कौवों को भोजन कराने की परंपरा है। इन दोनों वृक्षों के फल कौवे खाते हैं। इनके उदर में ही इन फलों के बीज अंकुरित होने की स्थिति को प्राप्त कर लेते हैं। कौवे जहां-जहां बीट करते हैं, वहां-वहां पीपल और बरगद उग आते हैं इसीलिए ये वृक्ष पुराने मकानों की दीवारों पर भी उगते देखने में आ जाते हैं। मादा कौवा सावन-भादों यानी अगस्त-सितंबर में अंडे देती है। इन्हीं माहों में श्राद्ध पक्ष पड़ता है। इसीलिए ऋषि-मुनियों ने कौवों को पौष्टिक आहार खिलाने की परंपरा श्राद्ध पक्ष से जोड़ दी, जो आज भी प्रचलन में है। दरअसल इस मान्यता की पृष्ठभूमि में बरगद और पीपल वृक्षों की सुरक्षा जुड़ी है, जिससे मनुष्य को 24 घंटे ऑक्सीजन मिलती रहे।

विश्व बांस दिवस

प्रमोद दीक्षित मलय
लेखक शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।

बांस - शक्ति, शांति, समृद्धि एवं सौंदर्य का समन्वय

आदिकाल से ही पेड़-पौधों से मानव एवं पशु-पक्षियों का सम्बंध परस्पर पूरकता का रहा है। सघन वन-उपवन हों या उद्यान-वाटिका। पर्वत-पठार हों या फिर घाटी-तराई की भूमि। खेत-खलिहान की मेड़ हो या सर-सरिताओं के तट, घर का आह्लादित आंगन हो या देवालयों का पावन परिसर, सर्वत्र किसी न किसी रूप में छोटे-बड़े पेड़ों की अवस्थिति शीतल छांव, सुगंध, सौंदर्य एवं शांति प्रदान कर रही होती है। इन पेड़-पौधों के परिकर में घास परिवार ने भी अपनी उपयोगिता से एक विशेष स्थान एवं महत्व प्राप्त किया है। घास वंश से सम्बंधित सदाबहार बांस लोकजीवन में अपनी सांस्कृतिक एवं आर्थिक योगदान से समादृत है। यही कारण है कि बांस मानव जीवन का अभिन्न संगी-साथी बन परिवेश का हिस्सा हो गया है। खेत, खलिहान, उपवन, बड़े आंगन में उगता रहा बांस अब ड्राइंगरूम की शोभा भी बनने लगा है। बांस मानव जीवन में शक्ति, समृद्धि, सौंदर्य एवं शांति का प्रतीक है और लचीलेपन एवं सतत ऊर्ध्व गमन-गतिशीलता का भी। बांस हरीतिमा का पोषक है और ताप का शोषक भी। बांस भोजन, औषधि, साज-सज्जा, निर्माण, फर्नीचर एवं सौंदर्य प्रसाधन है और पहचान की ध्वज-पताका के बंधन का संसाधन भी। बांस झंझावातों से जूझने की जिजीविषा का परिचायक है। बांस संगीत के सस स्वरों का आधार बन बांसुरी से उपजा मनमोहक राग है। बांस जीवन के आरंभ की सुमधुर ध्वनि है और अंत की आहट भी। बांस वर-वधू के सप्तपदी का साक्षी है तो विवाह मंडप की शुभता का दिव्य दर्शन भी। बांस व्यक्ति की अंतिम यात्रा की शायिका निर्माण का एकमात्र साधन है। नौका चालन की पतवार है, तो अपराधी के लिए कठोर दण्ड भी। निर्विवाद रूप से बांस मानव जीवन का सहचर है, संबाहक है। इसीलिए प्रत्येक वर्ष 18 सितम्बर को विश्व बांस दिवस के रूप में मनाने, बांस के विविध उपयोग एवं महत्व से जन-जन को परिचित कराने एवं जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किये जाते हैं। ये आयोजन एक थीम पर आधारित होते हैं। वर्ष 2025 की थीम है - अगली पीढ़ी का बांस : समाधान, नवाचार और डिजाइन। इस वर्ष का यह विषय बांस के अधुनातन प्रयोग, नवाचार एवं रचनात्मक प्रदर्शन, टिकाऊ उपयोग के तरीके खोजने हेतु आमजन को प्रेरित-उत्साहित करेगा ताकि पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उत्पादन एवं दैनंदिन उपभोग में आवश्यक वृद्धि हो। वर्ष 2009 में बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित 8वें विश्व बांस सम्मेलन के अवसर पर प्रत्येक वर्ष 18 सितम्बर को विश्व बांस दिवस के वैश्विक आयोजन की सहमति बनी थी। बांस पर केंद्रित जागतिक आयोजन से सामान्य जन बांस के सांस्कृतिक महत्व, आर्थिक उपयोगिता एवं निर्भरता, पारिस्थितिकी में योगदान से परिचित होगा साथ ही बांस से बनी वस्तुओं के अधिकाधिक दैनंदिन प्रयोग को बढ़ावा भी मिलेगा।

बांस के प्रयोग के मिले अनेकानेक प्रमाण बांस के उपभोग की प्राचीनता को तो सिद्ध करते ही हैं बल्कि मानव के विवेक एवं कौशल का भी परिचायक हैं कि किस प्रकार प्राचीन काल से ही मानव ने बांस का प्रयोग शिकार करने हेतु धनुष-बाण, भाला एवं बरछी जैसे हथियार-औजार बनाने, स्वास्थ्य प्राप्ति हेतु औषधि बनाने, मकान के निर्माण करने, संगीत में बांसुरी जैसा साज गढ़ने, चित्रकला के आलेखन हेतु कूंची बनाने, पोषण हेतु भोजन में प्रयोग करने तथा सामान रखने हेतु उचित पात्र बनाने हेतु बांस का विविध रूपों में प्रयोग किया था। बांस से डलिया-टोकरी और हाथ के पंखे बनाना परम्परागत कार्य था। पर आजकल तो बांस से कागज और कपड़ा भी बनाया जा रहा है। वर्तमान काल शोध एवं कल्पना की मेधा का चरम काल है। कोई भी क्षेत्र और उत्पाद नहीं बचा जहां कल्पना के रंग न बिखरे हों। तो कल्पना की रचनात्मकता तथा शोध एवं नवाचार से भला बांस कैसे बचा रह सकता था। आज बांस के शताधिक प्रकार के खिलौने, गृहसज्जा की नानाविध वस्तुएं और आरामदायक फर्नीचर सहित रासायनिक द्रव एथेनाल तैयार किया जा रहा है। बुलेटप्रूफ जैकेट बनाने में बांस के फाइबर का प्रयोग हो रहा है। बांस के कोमल रेशों से निर्मित अंत:वस्त्रों की आज वैश्विक मांग लगातार बढ़ती जा रही है। बिजली के उपकरण भी बनाये जा रहे हैं। मकानों की छतें एवं फर्श बांस से तैयार किये जा रहे हैं। पर्दे, चटाइयां, झालर, रसोई के बर्तन, सिंचाई हेतु पाईप बनाने में बांस का खूब उपयोग किया जा रहा है। बांस का तेल सौंदर्य उत्पादों में डाला जाता है।
बांस वातावरण में आक्सीजन एवं कार्बन डाइऑक्साइड के अनुपात का संतुलन बनाते रखने में सक्षम होता है। भारतीय महीनों की तरह हर वस्तु का भी शुक्ल और कृष्ण पक्ष होता है, अर्थात् लाभ के साथ हानि भी जुड़ी होती है। बांस जंगल की शान है किंतु यही बांस गर्मियों में आपस में रगड़कर आग पैदा कर जंगल जलाने का कारण भी बनते हैं। किंतु यह आग जंगल की व्यवस्था को नव जीवन देती है। बांस हमारे जीवन में शांति, संगीत, समृद्धि एवं शक्ति के संवाहक बनें, यही कामना है।

पुस्तक चर्चा

पद्माकर पागे
समीक्षक

भावनात्मक हलचल की इबारत है 'हक़'

संजय परसाई की कविताएं अपने परिवेश और आसपास के पात्रों के जरिए खुद की भावनात्मक हलचल की इबारत है। पुस्तक 'हक़' हाथ में है उससे गुजरते उसके कुछ पन्ने ही पलटे हैं, देखता हूं कैसा बन पड़ा है काव्य संग्रह। पहले पन्ने से शुरू करते हुए पहली कविता की चंद पंक्तियां पढ़ते ही रुक जाता हूं 'सांसों की कीमत' शीर्षक से कविता झकजोर देती है।

सांसे हैं तो जीवन है
वो/ गुब्बारे में भर लाता है चंद सांसें
खरीदने वाले
सांसों की लगाते हैं कीमत
लेकिन
नादान के सांसों की क्या कीमत?

एक गुब्बारे बेचने वाले की सांसों से किसी को क्या सरोकार?
आगे बढ़ने से पहले फिर सोचता हूं कितनी कीमती है सांस पर किसी को क्या लेना-देना। उससे आगे बढ़ते हुए-

रोज अखबारों की हेडलाइंस
बढ़ाती है चिंता
घर पहुंचने में देरी
बढ़ा देती है चिंता
वाजिब भी है मां की घबराहट

कवि विषयांतर करते हुए हमारे बदलते रिश्तों पर आ जाता है और कह उठता है रिश्ते होते हैं नाजुक क्योंकि जरा सी ठेस लगने में देर नहीं लगती रिश्ते चटखने में। इन्हीं संबंधों पर याद आती है माँ और रचनाकार कह उठता है।

माँ कहीं नहीं गई
मन आंखों में तस्वीर बन
अभी भी दिखा रही है राह
माँ कहीं नहीं गई।

संजय के पास बहुत विषय हैं। आगे बढ़ते-बढ़ते उनके विषयों के भंडार खुलने लगते हैं। ऐसे ही एक कविता 'प्रश्न' शीर्षक से-

कोई नहीं पूछता
कि पैसे कहां से आए
कहां रही रात भर
निकम्मों को अधिकार भी नहीं
प्रश्न पूछने का
यह भी एक बड़ा प्रश्न है?

कवि आ पहुंचता है अपने शहर की ओर, उसका विद्रूप चेहरा, सड़ी-गली व्यवस्था, हतप्रभ रह जाता है, करें तो क्या करें, ध्यान आता है अपना गांव वहां की शांति, चौपाल पर बैठे लोग आपसी व्यवहार,तुम्हें नहीं आती अपने गांव की याद?

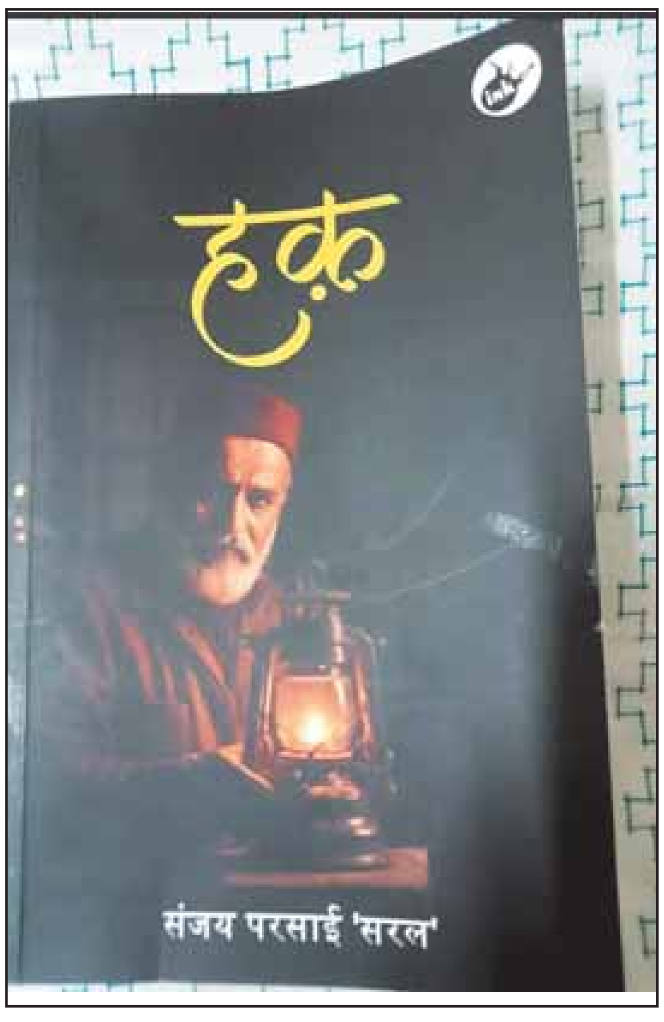

कविता पढ़ते-पढ़ते, संग्रह में मातृशक्ति कहो या स्त्री पर बात ना हो तो लगेगा अधूरापन। रचनाकार ने उनकी बात भी कही है हम सब लोग समझते भी हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में बात ना हो यह हो नहीं सकता।
संजय रतलाम की संस्कृति यहां की आबो-हवा खान-पान, यहां के लोग दाल-बाटी, चूरमा की बात को कैसे भूल सकते हैं। संग्रह की कविताएं अनेक विषयों को समझते हुए समाज की हलचलों की इबारत लिखती है। कुछ कविताएं पढ़ते-पढ़ते लगता है कि ये कविताएं हमसे बात कर रही है। ये संजय के लेखन की खूबी है और कहना ही होगा कि कविताएं अंतर मन को छू जाती है। उनकी महत्वपूर्ण रचनाएं इनमें शामिल है पुराने खत, बच्चे हो रहे हैं तैयार, संवाद बनाए रखिए, पुरखे कहीं नहीं गए और मृत्यु भोज। संजय का यह काव्य संग्रह आशान्वित करता है कि भविष्य में सशक्त और अच्छी रचनाओं के साथ हम फिर से रूबरू होंगे।

पुस्तक -हक़
कवि - संजय परसाई 'सरल'
मूल्य -200
प्रकाशक- इंक पब्लिकेशन,प्रयागराज

जिम जाने का ख्याली जज्बा

मनरंग

मालिनी गौतम
लेखक साहित्यकार हैं।

फ्री दिनों से सोच रही हूँ कि अब जिम जॉइन कर ही लूं। आखिरकार मोहल्ले की आधी औरतें सुबह-सुबह ट्रैकसूट पहनकर निकलती हैं और सोशल मीडिया पर भी जिम सेल्फ़ी डाल देती हैं। उनकी तस्वीरों में पसीना कम और फ़िल्टर ज़्यादा चमकता है। लोगों को लगने लगा है कि मैं ही आलस की ब्रांड एम्बेसडर हूँ।
सुबह अलार्म बजता है तो मन करता है ,चलो, आज से नया जीवन, फिटनेस की शुरुआत! लेकिन तभी याद आता है कि बच्चों के टिफ़िन बनाने हैं, सासू माँ को चाय चाहिए और पति का मोज़ा फिर से ग़ायब है। इन हालात में जिम क्या, जिम का सपना भी स्ट्रेचिंग करने से पहले ही दम तोड़ देता है।
पड़ोसन बड़ी अकड़ से कहती है - डाइट कंट्रोल सबसे ज़रूरी है। पर वो ये नहीं जानतीं कि जब घर में शाही पनीर या गुलाबजामुन बनता है, तो बच्चों की नज़र मेरी प्लेट पर और पति की नज़र मेरी भूख पर होती है। अब सबको खिला-पिलाकर मैं अकेली सलाद चबाऊँ? यह अन्याय है कि नहीं? ऊपर से टीवी वाले डॉक्टर हर दिन नया ज्ञान देते रहते हैं। एक दिन कहते हैं कि घी सेहतमंद है, अगले दिन वही घी तोंद का दुश्मन बन जाता है। अब इस कंफ्यूज़न में इंसान करे भी तो क्या करे? एक बार ठान ही लिया कि सुबह वॉक पर निकलूँगी। जूते पहनकर जैसे ही दरवाज़े पर पहुँची, पड़ोसी अंकल ने पूछ लिया -अरे बहू, इतनी सुबह कहाँ जा रही हो? सब ठीक तो है? अब बताइए, फिटनेस की जगह मुझे मोहल्ले की काउंसलिंग करनी पड़ जाए तो जॉगिंग कैसे हो! दूसरे दिन निकलने की हिम्मत ही नहीं जुटी।
असल जिम भले ही दूर हो, पर मेरे ख्यालों में तो जिम कब का खुल चुका है। वहाँ मैं रोज़ ट्रेडमिल पर 10 किलोमीटर दौड़ती हूँ, डम्बल उठाती हूँ और छ: पैक एब्स लेकर आईने में मुस्कुराती हूँ। असल आईना अभी तक मेरी कल्पना को समझने के लिए अपग्रेड नहीं हुआ है, वरना मैं तो कैटरीना से कम नहीं दिखती।
ख्याली जिम का अपना अलग मज़ा है। ना पसीना, ना डाइटिंग, ना ट्रेनर की डांट और ना ही महंगी फ़ीस। बस दिमाग में ही स्क्वैट्स, योगा और प्लैंक्स सब हो जाते हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि ख्यालों में ही कैलोरी जल गई है। यूट्यूब पर 10 मिनट में टमी फ्लैट वाले वीडियो देखते हुए चाय और बिस्कुट का आनंद लेना भी किसी ख्याली जिम से कम है क्या?
मेरी सहेलियाँ भी फिटनेस के अलग-अलग मंत्र देती रहती हैं। कोई कहती है , ज़ुम्बा क्लास जॉइन करो, मज़ा आएगा। दूसरी कहती है , योगा से सब सही हो जाएगा। तीसरी तो इतनी एक्टिव है कि हर तस्वीर में ऐसे पोज़ देती है मानो वेटलिफ्टिंग करके ही रसोई में घुसी हो। मैंने सोचा था कि उनसे प्रेरणा लूँगी, पर होता ये है कि उनकी फिटनेस देखकर मेरी भूख और बढ़ जाती है।
पति देव का हाल भी कम दिलचस्प नहीं है। टीवी पर क्रिकेट देखते हुए वो अक्सर कहते हैं , तुम्हें भी थोड़ी एक्सरसाइज करनी चाहिए। और खुद बिस्कुट, नमकीन, समोसे गटकते रहते हैं। अब मैं पूछूँ कि आपकी तोंद किस जिम में तैयार हुई है? पर विवेक यही कहता है कि इस सवाल का ख्याली डम्बल से ही दबा दिया जाए,तो अब तय कर लिया है कि मैं फ़िलहाल ख्याली जिम में ही फिट रहूँगी। असल जिम की हिम्मत जब जुटेगी, तब उस दिन की भी तैयारी कर लूँगी। वैसे भी कहते हैं -पहले मन को जीतो, फिर शरीर अपने आप जीता जाएगा। तो मैंने मन को पहले ही जता दिया है कि हम ख्याली जिम के ही स्थायी सदस्य हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रफिटनेससंगीत्स वाली फ़ोटो अच्छे फ़िल्टर लगाकर डाल दूँगी। वैसे भी वहाँ असली फिटनेस से ज़्यादा मायने फोटो एंगल और कैप्शन का होता है। पसीना सफलता की कीमत है लिखकर अगर पानी छिड़क भी दूँ तो लोगों को लगेगा कि मैराथन पूरा कर आई हूँ।असलियत यही है कि जिम जाकर शरीर का पसीना बहता है, लेकिन ख्याली जिम में हँसी बहती है और हँसी ही तो असली टॉनिक है। रसोई में बनते पकवान भले ही तोंद बढ़ाएं, पर ख्याली जिम का व्यंग्य पेट पकड़-पकड़कर हँसा देता है।तो जब तक जिम जाने की हिम्मत न जुटे, मैं ख्याली जिम की ही स्टार मेंबर बनी रहूँगी। वहाँ न कोई ट्रेनर डाँटता है, न मेंबरशिप फ़ीस भरनी पड़ती है और न ही पर लौटते वक्त बच्चों को यह समझाना पड़ता है कि मम्मी क्यों पसीना-पसीना हो रही है। वहाँ बस कल्पना के डम्बल हैं, उम्मीद का ट्रेडमिल है और हँसी की एक्सरसाइज है।आखिरकार, व्यायाम हो न हो, व्यंग्य और फ़िल्टर सेहत का संतुलन बनाए रखते हैं। यही मेरा असली फिटनेस मंत्र है। (लेखिका मानती है कि हंसी सेहत का सबसे असरदार व्यायाम है)

जान जोखिम में डालकर एक लेन से दूसरी लेन पर पहुंच रहे वाहन चालक

फोरलेन पर मीडियन कट नहीं होने से डिवाइडर पर चढ़कर हो रहे पार

बैतूल। एनएचएआई ने बैतूल से इटारसी तक 52 किलोमीटर फोरलेन तो बनवा दिया। लेकिन इसके बीच में बने डिवाइडरों में सड़क के इस पार से उस पार जाने के लिए मीडियन कट नहीं दिए। नतीजा यह है कि मजबूरन ग्रामीण वाहन चालक खतरा मोल लेकर गलत तरीके से सड़क पार कर रहे है। हालात यह है कि वाहन चालक डिवाइडर पर वाहन चढ़ाकर मिट्टी में फिसलते और दुर्घटना से जैसे-तैसे बचते हुए दूसरी ओर जा रहे हैं। इससे दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, लेकिन एनएचएआई और बनाने वाली कंपनी को लोगों की सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है। बता दे कि बैतूल- इटारसी फोरलेन के 72 किमी में से 51 किमी सड़क बनी है। लेकिन इस सड़क को बनाने में रास्ते में दोनों ओर पड़ने वाले गांवों के ग्रामीणों का कोई ध्यान नहीं रखा गया है। वैसे तो नियमों के अनुसार हर दो किलोमीटर पर डिवाइडर के बीच में मीडियन कट दिया जाता है जिससे स्थानीय वाहन चालक बिना लंबा फेरा लगाए दूसरी ओर जा सकें, लेकिन यहां ऐसा नहीं किया है। जिसके कारण वाहन चालकों और ग्रामीणों ने खुद कई जगह पर डिवाइडर तोड़कर रास्ते बना लिए हैं। अब इन जगहों पर वाहनों के लिए दूसरी ओर जाना बेहद मुश्किल हो रहा है है, पेड़ पौधे लगाने के लिए जो मिट्टी डाली है उस पर वाहन स्लिप हो रहे हैं। यहां दोनों लाइनों पर वाहन 100 से 120 किमी की औसत रफ्तार से भागते हैं। ऐसे में यदि वाहन स्लिप होते हैं तो इससे भीषण दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है।

इन जगहों पर सबसे ज्यादा हो रही दिक्कत ....नेशनल हाईवे पर उड्दन के पास मीडियन कट नहीं छोड़े गए हैं। जिससे यहां ग्रामीण वाहन चालक डिवाइडर पर वाहन चढ़ाकर सड़क की दूसरी ओर जाते है। यहीं हाल पाढर और नीमपानी में भी है। यहां दो जगहों पर मीडियन कट नहीं दिए जाने से ग्रामीण दूसरी ओर नहीं जा पा रहे हैं। एक जगह पर डिवाइडर पर चढ़कर जाते हैं, लेकिन अब यहां इतना कीचड़ हो गया है कि वाहन स्लिप होकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। आरटीओ कार्यालय साकादेही के सामने सबसे ज्यादा जरूरत होने के बावजूद मीडियन कट नहीं दिया है। कार्यालय से एक-एक किलोमीटर दूर मीडियन कट दिए हैं। लोगों ने डिवाइडर तोड़कर रास्ते बना लिए हैं।

लोगों ने तोड़े डिवाइडर, बनाया रास्ता .नेशनल हाइवे फोरलेन मार्ग के बीच डिवाइडर बनाकर उसमें पौधे लगाए गए है। लेकिन लोगों ने अपनी सुविधा के अनुसार डिवाइडर को तोड़कर रास्ता बना लिया है। जिससे एक लेन से दूसरे लेन पर पहुंचते हैं। डिवाइडर तोड़कर बनाए गए रास्ते से दो पहिया और चार पहिया वाहन भी निकलते हैं। इस दौरान थोडी सी लापरवाही हादसे का कारण बनते जा रही है। इसके बाद भी एनएचएआई इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। हाइवे पर गांवों के जोड़ सहित अन्य जगहों पर डिवाइडर टूटे हुए है। कई जगहों पर वाहन चालक डिवाइडर पर गाडी चढ़ाकर एक से दूसरी ओर आते-जाते है। इस दौरान हाइवे से तेज गति से गुजरने वाले वाहनों से टक्कर हो रही है। सबसे अधिक घटनाएं रात के समय हो रही है। डिवाइडर के बीच से बाइक सहित अन्य वाहन निकालने के दौरान हाइवे से गुजरने वाले वाहनों की गति का अंदाजा नहीं लग पाता है। डिवाइडर से हाइवे पर वाहन पहुंचते ही टक्कर हो जाती है।

72 किमी में से 51 किमी ही बनी सड़क ......बैतूल से इटारसी के बीच 650 करोड़ की लागत से 72 किलोमीटर फोरलेन बनाया जा रहा है। इसमें से 21 किमी में काम रुका हुआ है। लेकिन जो 51 किमी सड़क बनी है उसमें भी मीडियन कट सही जगह पर नहीं बनाए हैं। पांच साल के गारंटी पीरियड में ठेका कंपनी जितेन्द्र सिंह एंड कंपनी काम कर रही है। जानकार बताते है कि आमतौर पर सड़क के दूसरी ओर जाने के लिए फोरलेन सड़क पर मीडियन कट बनाए जाते हैं। यदि वाहन चालक डिवाइडर पर चढ़कर खतरनाक ढंग से दूसरी ओर जा रहे हैं, यानी मीडियन कट सही जगहों पर नहीं दिए गए हैं। लोगों की सुविधा और जरूरत के हिसाब से मीडियन कट बनाए जाने चाहिए। लेकिन एनएचएआई के अधिकारियों का इस ओर ध्यान नहीं है।

इनका कहना है –

जहां बहुत जरूरत थी, वहां मीडियन कट बनाए हैं। यदि इस तरह की स्थिति बन रही है तो इंजीनियरों को मुआयना करने को कहा जाएगा। लोगों को परेशानियां नहीं हो इसके लिए नियमानुसार व्यवस्था बनाई जाएगी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर युवाओं ने किया 312 यूनिट रक्तदान

प्रदर्शनी में दिखा मोदी का जीवन संघर्ष शिविर में हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

बैतूल। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75 वें जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा बुधवार को सेवा पखवाड़ा अभियान प्रारंभ किया गया। भाजपा जिला कार्यालय विजय भवन में इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया एवं नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। रक्तदान एवं प्रदर्शनी का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, विधायक डॉ योगेश पण्डागरे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, भाजपा जिला महामंत्री एवं सेवा पखवाडा के जिला संयोजक कमलेश सिंह ने भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वल्लन कर किया। जिला भाजपा द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में नरेंद्र मोदी के बचपन से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेने तक की यात्रा, उनका जीवन संघर्ष एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। 1965 के युद्ध में सैनिकों की मदद, आपातकाल में भूमिगत होकर आंदोलन को संचालित करने, हिमालय यात्रा से लेकर कन्याकुमारी से श्रीनगर तक भारत एकता यात्रा एवं सोमनाथ से अयोध्या तक रामशिला पूजन यात्रा जैसी घटनाओं को प्रदर्शनी में बखूबी दिखाया गया है। इसके अलावा अयोध्या में श्री रामलला के मंदिर का निर्माण, कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति जैसी अनेक उपलब्धियों को दर्शाया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सेवा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया एवं सेवा के संकल्प के साथ 312 यूनिट रक्त देकर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को 75 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत हमलापूर में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में सैकडो लोगो का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। हमलापूर में ही स्थित रामवन टेकड़ी पर 75 पौधे लगाकर नमो उपवन तैयार किया गया। सेवा पखवाडा शुभारंभ अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमो में केंद्रीय मंत्री डीडी उइके, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, विधायक डॉ योगेश पण्डागरे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, वसंत बाबा माकोडे, आदित्य बबला शुक्ला, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, डॉ महेंद्र सिंह चौहान, सेवा पखवाडा जिला टोली के सदस्य रश्मि साहू, डॉ अरुण जयसिंगपुरे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भास्कर मागरदे, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ममता मालवीय, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष सीताराम चढोकार, पिछडा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष संजू महेन्द्र सोलंकी सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानसिक रोगों की जांच और प्रबंधन पर 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लगे शिविर 903 लोगों ने लिया लाभ

स्क्रीन टाइम से बचें, पौष्टिक आहार लें मानसिक स्वास्थ्य पर आयुष विभाग ने दी महत्वपूर्ण सलाह

बैतूल। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयुष विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार के राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना अंतर्गत संचालनालय आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के आदेशानुसार बैतूल जिले में 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस बार शिविर का विषय मानसिक स्वास्थ्य रोगों की जांच और बुनियादी प्रबंधन रखा गया। आयुर्वेद चिकित्सा में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी बराबर ध्यान दिया जाता है, इसे ध्यान में रखते हुए शिविर में आए लोगों को विस्तार से बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन, पर्याप्त नींद लेना, नियमित शारीरिक गतिविधियां करना बेहद जरूरी है।

लोगों को समझाया गया कि अधिक सोशल मीडिया उपयोग से बचना, स्क्रीन टाइम कम करना, शराब, धूम्रपान और नशीली वस्तुओं से दूरी बनाना मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है। शिविर में आने वाले रोगियों की ज्वर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास, कास, प्रतिश्याय, वात रोग और स्त्री रोगों की जांच की गई और आवश्यक औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया।

वृद्धा विधवा पेंशन 1500 रुपए की जाए, अटल सेना ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। अटल सेना द्वारा वृद्धा विधवा दिव्यांग एवं अन्य जन्म कल्याणी पेंशन में वृद्धि करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम से जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में संघ के प्रांत अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) ने बताया कि संगठन की मुख्य मांग है कि वृद्धा विधवा बहनों की पेंशन 1500 रूपए हर माह मिले, दिव्यांग बहू विकलांग भाइयों और बहनों की पेंशन हर महीने 3000 रुपए मिले, पूर्व में मनीआर्डर द्वारा पेंशन प्राप्त होती थी उसे लागू किया जाए। मनीआर्डर द्वारा विकलांगों को वृद्धो को लाचार बीमारी को जो चल नहीं सकते बिस्तर पर उनका पूरा जीवन बिता जा रहा है उठ नहीं सकते बोल नहीं सकते ऐसे लोगों को घर पहुंच पेंशन मिलना चाहिए, जिन लोगों के थम्ब नहीं आ रहे हैं अंगूठा नहीं आता है ऐसे लोगों की भी समस्या का हाल होना चाहिए एक साल से उनको पेंशन नहीं मिल पाई नगर पालिका पंचायत द्वारा इनका विधिवत ऐसे लोगों का सर्वे होकर इन्हें पेंशन मिले, लंबे समय से जिनकी पेंशन रुकी हुई है ऐसे लोगों को एरियर्स भी दिया जाए। साथ ही ज्ञापन में प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी गई और तोहफे के रूप में सारे गरीबों की पेंशन में वृद्धि की जाए की मांग की गई है। इस अवसर पर सुधा खंडारे, सकुन बामने, रेखा सोलंकी, लता नागले, यशोदा वायकर, रेखा डोंगरे, ममता लोखंडे, मालती खवसे, लक्ष्मी सेल्के, वाग्रती परते, पंखी परते, गुंता सरनेकर, मुन्नी शेषकर, शेख रसीद, ज्योति रैकवार, ममता राठौर, लक्ष्मी जांगड़े, शीतल कामथकर, तीलका डोंगरे, सोहनलाल राठौर, बंटी धुर्वे, प्रकाश पवार, महादेव राजपूत, पूरनलाल रायपुरे आदि मौजूद थे।

परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व निर्माण में नारी शक्ति का योगदान अहम : केंद्रीय राज्य मंत्री

जेएच कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश के धार जिले के ग्राम भैंसोला में आयोजित राष्ट स्तरीय कार्यक्रम के दौरान स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान और आदि सेवा पर्व का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने देश के पहले पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास भी किया। जिसका जिला स्तरीय स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान शुभारंभ कार्यक्रम बैतूल के जेएच कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय जनजातीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त व मध्यप्रदेश जनपरिषद अभियान उपाध्यक्ष मोहन नागर, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, बैतूल नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, सुधाकर पवार सहित कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, एसडीएम अभिजीत सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी गौतम अधिकारी, सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाडे, नगर पालिका सीएमओ श्री सतीश मत्सानिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्टीय स्तर के कार्यक्रम को लाइव टेलीकास्ट, वेबकास्टिंग के माध्यम से देखा गया। कार्यक्रम के दौरान खेल और युवा कल्याण विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिका खिलाडियों ने कराते का प्रदर्शन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाएं। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके ने कहा कि राष्ट की प्रगति और समृद्धि में नारी शक्ति की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। व्यक्ति से लेकर परिवार और समाज से लेकर विश्व निर्माण तक, नारी ही संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की संवाहक रही है। संकट की घड़ी में भी नारी शक्ति ने सदैव नेतृत्व करते हुए धरती को रहने योग्य बनाया है। महिलाएं स्वस्थ होगी तभी व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट और विश्व निर्माण संभव है। इसी कड़ी में महिलाओं और बालिकाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से इस अभियान से जुड़कर लाभ लेने की बात कही।

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है......

कौशल निर्माण के भगवान विश्वकर्मा जी को नमन करते हुए मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नगर ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। महिलाएं स्वस्थ रहेगी तो घर -परिवार में रौनक रहेगी और समाज समृद्ध बनेगा। साथ ही आने वाली पीढी भी स्वस्थ रहेगी। इसी उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जी की जयंती तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान प्रारंभ किया गया है। इसके अलावा एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता अभियान भी आयोजित किए जाएंगे।

कढ़ाई गौशाला का किया निरीक्षण, सभी व्यवस्थाएं मिली दुरुस्त

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार बुधवार को पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर और नगर पालिका बैतूल सीएमओ सतीश मत्सानिया ने कढ़ाई गौशाला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सृजन भारती समिति के सदस्य बलराम जसूजा, सचिव विजय हरोडे सहित विभाग की ओर से डॉ. यशपाल सिंह चौहान, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी बैतूल एवं सहायक एवीएफओ विनीत धुर्वे भी मौजूद रहे। गौशाला में घायल और बीमार पशुओं के निरंतर उपचार की सराहना करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि अवर्णित नस्ल के सभी सांडों का 100 प्रतिशत बधियाकरण कराया जाए। साथ ही प्रजनन योग्य मादा गायों में उन्नत नस्ल सुधार के लिए सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग किया जाए। उन्होंने सभी पशुओं के शत प्रतिशत टीकाकरण एवं कान में टैग लगे होने पर संतोष व्यक्त किया तथा गौशाला के सभी अभिलेख एवं पंजी व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने हमलापुर टेकरी पर किया पौधरोपण

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर 17 सितंबर को सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के प्रातः 8.30 बजे हमलापुर टेकरी पर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त व मध्य प्रदेश जनपरिषद अभियान उपाध्यक्ष मोहन नागर, सुधाकर पवार, आनंद प्रजापति सहित अन्य पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लगभग 75 पौधों का रोपण किया गया।

कल धूमधाम से मनाई जाएगी बलराम जयंती

बैतूल। भारतीय किसान संघ के बैनर तले कल 19 सितम्बर को बलराम जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। जिसमें रैली समय 2 बजे से निकाली जाएगी और कलेक्टर भवन पहुंच कर ज्ञापन सौंपेगी। संघ के जिला अध्यक्ष केशोराव साकरे ने बताया कि संघ के प्रांतीय अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान के साथ प्रदेश के दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे। श्री साकरे ने सभी कृषक बंधुओं से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

नपा इंजीनियर ने ठेकेदार की लगाई क्लास, गुणवत्ता से परहेज बर्दाश्त नहीं

आमला। नपा भवन निर्माण के दौरान शिकायतों के बाद नपा इंजीनियर सुभाष शर्मा ने बुधवार को निर्माणाधीन भवन निर्माण का मौका मुआयना किया और गुणवत्ता की जांच की इस दौरान इंजीनियर शर्मा ने ठेकेदार और कर्मचारियों को कड़े निर्देश भी जारी किए हैं। दरअसल अभी हाल ही में नगर पालिका के नए भवन निर्माण का काम शुरू हुआ है, नगर पालिका भवन निर्माण 2 करोड़ की राशि से बनाया जाना है। किंतु अपने शुरुआती दिनों में ही कुछ लोगों की यहां शिकायतें सामने आई थी कि यहां गुणवत्तापूर्ण काम नहीं किया जा रहा है, शिकायत के बाद इंजीनियर शर्मा ने मौके पर पहुंचकर ठेकेदार की क्लास लगा दी, और साफ-साफ कह दिया है कि कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी तरह की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, इंजीनियर ने ठेकेदार और यहां काम कर रहे कर्मचारियों को हिदायत देते हुए यहां तक कह दिया है कि अगर नपा भवन निर्माण में किसी तरह की लापरवाही सामने आती है, तो वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। इस मौके पर इंजीनियर ने काम में तेजी लाने की भी निर्देश दिए हैं गौरतलब है कि कोर्ट के सामने बन रहे नए नपा भवन को पूर्ण करने की अवधि एक वर्ष तय की गई है।

नियम से हो रहा निर्माण कार्य

इधर नपा इंजीनियर की सख्ती के बाद नपा भवन का निर्माण कर रही कंपनी ने कहा है कि यहां निर्माण कार्य एस्टीमेट के अनुसार ही किया जा रहा है, शिकायत करने तकनीकी रूप से यहां लिखित रूप में कोई बताए तो की गड़बड़ी आखिर कहां हो रही है तो कुछ सुधार किया जाए, कुछ कथित लोग बिना किसी तकनीक के शिकायत कर रहे हैं जिसका कोई जवाब नहीं है, निर्माण कर रही एजेंसी ने कहा है कि कोई भी कभी भी यहां आकर कार्यों की गुणवत्ता देख सकता है।

पीएम स्वनिधि योजना फिर शुरूछोटे-छोटे व्यापार आदि के माध्यम से अपनी जीविका चलाने वाले लोगों को आर्थिक सहायता के लिए पीएम स्वनिधि योजना शासन द्वारा फिर शुरू की जा रही है। नगर पालिका द्वारा बताया गया है कि पीएम स्वनिधि योजना में शहर के अभी तक डेढ़ हजार से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ दिया जा चुका है, बीते कुछ माह से योजना बंद थी अब इसे पुनः शुरू किया जा रहा है पात्र हितग्राही योजना का लाभ ले सकते हैं।

विपिन जोशी पुरस्कार से सम्मानित हुई शिक्षिका कविता

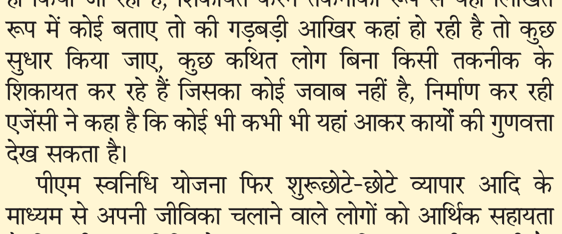

आमला। शहर के शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली शिक्षिका कविता शर्मा को पिछले दिनों इटारसी में आयोजित विपिन जोशी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, यह पुरस्कार विपिन जोशी स्मारक समिति द्वारा हर वर्ष दिया जाता है। इस वर्ष देश भर के 40 शिक्षक शिक्षिकाओं को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रतिभावान शिक्षिका कविता शर्मा को शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, उनकी इस उपलब्धि पर शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने उनको बधाई दी है बधाई देने वालों में विजय शुक्ला,अनिल पाठक, किशोर शर्मा, उल्हास जोशी, पुष्पा शर्मा,महेश शर्मा, राजेंद्र उपाध्याय, नीलम शर्मा, सुनील मिश्र सहित कई लोग शामिल है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

हमारा परिधान भी हमारा परिचय देता है

जब तक कोई अपरिचित अपना परिचय न दें या जब तक वह कुछ कहे या करें नहीं, तब तक हम उसके बारे में कोई स्पष्ट धारणा नहीं बना पाते। आमतौर पर लगभग हर एक परिचित से उसके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को लेकर हम परिचित रहा करते हैं। लेकिन जब कभी कोई किसी अपरिचित या अपरिचितों के संपर्क में आता है, प्रारंभिक तौर पर व्यक्ति का परिधान ही काफी हद तक स्पष्ट तौर पर उसका परिचय देता है। दरअसल हमारा परिधान ही यह सुनिश्चित करता है कि अजनबी दुनिया में आखिर हम किस रूप में जाने पहचाने गए हैं। एक प्रकार से हम कौन, क्या और कैसे हैं?, प्रथमदृष्टया हमारा परिधान ही स्पष्ट तौर पर दर्शाता है।

अब यह तो कभी संभव नहीं होता कि आदमी आजीवन अपने परिचितों के बीच ही रहे। आमतौर पर नित्य प्रति हमारी अपनी मुलाकात उनसे भी हुआ करती है जिन्हें कि हम जानते पहचानते नहीं। हम किसी अजनबी का हाल और हुलिया देखकर प्रारंभिक अनुमान लगाते हैं और सामने वाले के परिधान से उसके बारे में काफी हद तक अंदाजा भी लगा लिया करते हैं। ऐसा हम ही नहीं करते, वह हर एक व्यक्ति करता है जो अपरिचितों के संपर्क में आया करता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपना परिधान सुनिश्चित करते हुए अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व के अनुरूप रूप रंग, डिजाइन और उसके स्वरूप को लेकर गंभीर रहें।वास्तव में सामाजिक परिवेश में कुछ एक शख्सियत ऐसी भी हुआ करती है जो हमारे परिधान के प्रकार के आधार पर हमारे बारे में अपनी धारणा सुनिश्चित करती है। अलग-अलग आयु वर्ग के आधार पर भी परिधान के प्रकार में स्वाभाविक परिवर्तन आया करते हैं। युवावस्था प्रचलित फैशन के साथ कदमताल किया करती है। इसके चलते आमतौर पर इस दौर में प्रचलित फैशन को ही तवज्जो दी जाती है। लेकिन इसके लिए आवश्यक नहीं कि प्रचलित फैशन वास्तव में तर्कसंगत हो। दरअसल फिल्मी दुनिया ने आदमी के परिधान को लेकर काफी कुछ बेतुके परिधान भी चलन में ला दिए हैं। यह भेड़चाल समाज को कलंकित करने का कारण भी बन रही है। खैर।

वास्तव में होना यह चाहिए कि आदमी को अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ सोच विचार के तौर-तरीके और अपने व्यापार अथवा पेशे के अनुरूप ही परिधान धारण करना चाहिए। आजकल के दौर में फैशनपरस्ती का यह आलम हो गया है कि आधुनिकता के नाम पर लोक लाज एवं मर्यादाएं ताक पर रख दी गई है। कुछ एक परिवार के बुजुर्गवार तो इस स्थिति के चलते शर्मसार होते भी देखे गए हैं। हालांकि समय परिवर्तनशील होता है, पुरानी अवधारणाएं और मान्यताएं भी समय के साथ परिवर्तित होती है। लेकिन यह आवश्यक नहीं कि सामाजिक या पारिवारिक परिवेश में सभ्य एवं शालीन मानी जाने वाली व्यवस्था को ही तार-तार कर दिया जाएं। माना कि परिवर्तन तो प्रकृति का नियम है। लेकिन आदमी की अपनी मूल प्रकृति अपनी आदमियत को बरकरार रखने की होना चाहिए। इस संदर्भ में हमें अपनी विश्व वंदनीय गौरवशाली भारतीय संस्कृति के अनुरूप नए और पुराने दौर में उचित सामंजस्य बैठाने की जरूरत है। वर्तमान दौर में लगभग हर एक सामाजिक परिवेश में आमतौर पर नई पीढ़ी परंपरागत परिधान से किनारा करती नजर आती है। वैसे कुछ एक तर्क ऐसे भी दिए जा सकते हैं कि आदमी का परिधान ही आदमी के व्यक्तित्व का सूचक नहीं होता। लेकिन यह एक सामान्य सत्य है कि हर आदमी अपनी विचारधारा के अनुरूप ही अपनी पसंदगी सुनिश्चित करता है।

एक प्रकार से व्यक्ति के अंतरंग के स्वरूप को उसके परिधान से ही मापा जा सकता है। नित नई फैशन और रीति रिवाज को आत्मसात कर हम अपनी प्राचीन विश्व वंदनीय गौरवशाली भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को कलंकित नहीं होने दे सकते। इसके लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हमारा आंतरिक चरित्र हमारे अपने परिधान से भी स्पष्ट तौर पर झलकता हुआ प्रतीत हो। अन्यथा तथाकथित प्रगति की अंधी दौड़ में दौड़ते हुए हम अपनी महान सभ्यता एवं संस्कृति से हाथ धो बैठेंगे। ऐसी स्थिति में फिर कैसे भारत का निर्माण होगा? इसका आकलन तो सहज ही किया जा सकता है। विषय गंभीर है, इसलिए इसकी गंभीरता को समझना जरूरी है।

पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा: पीएम मोदी

(राजेश शर्मा-धार)

देवी अहिल्या बाई की परंपरा और विरासत को आगे बढ़ाएगा धार का पीएम मित्र पार्क । पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा।

अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आधार और युवाओं को रोजगार किसान और श्रमिकों के जीवन में आयेगी समृद्धि कारीगरों का हुनर अब पहुंचेगा वैश्विक बाजारों में, स्वदेशी बनेगा विकसित भारत का आधार।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है। धार की धरती पर बनने वाले देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार मिलेगा। पीएम मित्र पार्क देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नए ट्रांसफार्मेशन की राह खोलेगा। उन्होंने कहा कि हम देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने जा रहे हैं और इनके जरिए हम भारत को विश्व का टेक्सटाईल-हब बनाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी बदनावर तहसील के भैंसोला में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। 75 वे जन्म दिन पर धार जिले के भैंसोला से पीएम मित्र पार्क सहित राष्ट्रीय 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार' महाअभियान, आठवें 'राष्ट्रीय पोषण माह', 'आदि सेवा पर्व' का शुभारंभ कर 'सुमन सखी चैटवॉट' को लॉंच किया। मोदी ने 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना' योजना के तहत देशभर की 15 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की प्रसूति सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खाते में अंतरित की। मोदी ने 'एक बगिया मां के नाम' अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की दीदी श्रीमती लक्ष्मी डोडियार को अमरूद का पौधा भेंट किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत सुश्री आराधना कलमी को 1 करोड़वां सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग कार्ड प्रदान किया। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार महाअभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक देशभर में 1 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सबके साथ से हम सबके विकास के लिए संकल्पित हैं। पिछले 11 वर्ष जनकल्याण को समर्पित रहे। गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी पूजा और मेरा प्रण है। हमारे समर्पित प्रयासों से पिछले 11 साल में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आए हैं, जिससे पूरे समाज को एक नया आत्मविश्वास मिला है, यही हमारा ईनाम भी है।

देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से पूरे देश में जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महेश्वर साड़ी मध्यप्रदेश की पहचान रही है। धार में पीएम मित्र पार्क के माध्यम से हम देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। मप्र में उच्च कोटि का कपास उपलब्ध है। पीएम मित्र पार्क से कपड़ा उद्योग की वैल्यू चैन इसी जगह उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में धार पूरे देश में चमकने वाला है।

मोदी ने केन्द्रीय योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ देश के 30 करोड़ से अधिक भाई-बहनों को मिल चुका है। हमने छोटे कामगारों के हुनर को आगे बढ़ाया है। धार स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म स्थली भी है।

मोदी ने ज्ञान की देवी और भोजशाला की माँ वाग्देवी के चरणों में नमन करते हुए कहा कि धार की धरती हमेशा से पराक्रम और प्रेरणा की रही है। महाराजा भोज का शौर्य हमें राष्ट्र रक्षा के लिए डटे रहने की सीख देता है। महर्षि दधीचि का त्याग हमें मां भारती की सेवा के लिए प्रेरणा देता है।

श्री मोदी के नेतृत्व ने 'मोदी है तो मुमकिन है' की प्रतिबद्धता ने कर दिखाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर याद आ रहा है कि जिस तरह भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि को गढ़ा, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत की नींव रखकर नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। जिस भारत की प्रगति को दुनिया असंभव मानती थी, वह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व ने 'मोदी है तो मुमकिन है' की प्रतिबद्धता ने कर दिखाई। देश की बुनियादी सुविधाओं से लेकर बड़ी से बड़ी दुविधाओं का हल उन्होंने निकाला है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व ने भारत की काया पलट दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के कर-कमलों से देश के पहले पीएम मित्र पार्क की नींव मध्यप्रदेश में रखी जा रही है। जनजातीय अंचल में प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाना म.प्र. का सौभाग्य है।

प्रधानमंत्री मोदी का राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किये। प्रधानमंत्री को जनजातीय परम्परानुसार तीर-कमान भेंट किया और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। प्रारंभ में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुसज्जित वाहन से सभा-स्थल पहुँचे और उपस्थित अपार जन-समूह का अभिवादन किया। नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रदेशाध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में माताएं, बहनें, किसान भाई और हितग्राही उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने बच्ची को गोद में लेकर दुलार किया

पीएम मोदी ने मंच के पीछे बने स्वास्थ्य जांच शिविर में नन्ही बिटिया जाश्वी वर्मा को गोद में लेकर खूब दुलार किया।9 महीने की जाश्वी कैम्प में आईपीवी, डीपीटी , मीजल्स का टीका लगवाने और विटामिन ए की खुराक के लिए आई थी। बता दें कि प्रधानमंत्री ने टीकाकरण एवं बाल स्वास्थ्य जांच कियोस्क का अवलोकन किया।इसमें 5 वर्ष तक के बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण की प्रक्रिया भी दिखाई गई है।

माताओं-बहनों के जीवन की मुश्किलें कम की

पीएम ने कहा- मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि माताओं-बहनों का जीवन आसान बनाऊं, उनकी मुश्किलें कम करूं। 'स्वच्छ भारत योजना के तहत शौचालय,

उज्जवला गैस कनेक्शन, जल जीवन मिशन, आयुष्मान योजना' इन सभी ने माताओं-बहनों के जीवन की मुश्किलें कम की और उनका स्वास्थ्य बेहतर बनाया है। मैं भाइयों से भी कहूंगा, आप भी मेरा साथ दीजिए और माताओं-बहनों के स्वास्थ्य का परीक्षण जरूर करवाएं। पीएम ने एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत स्व-सहायता समूह की दीदी लक्ष्मी डोडिया को अमरूद का पौधा देकर सम्मानित किया।

समझाइश के बाद आगामी जीवन शांतिपूर्ण तरीके से व्यतीत करने का लिया निर्णय

हरदा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में वर्ष की तीसरी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में समझाइश के बाद पति-पत्नी दोनों ने आगामी जीवनशांतिपूर्ण तरीके से व्यथित करने का निर्णय लिया। आवेदिका (पत्नि) और अनावेदक (पति) की शादी मुस्लिम रीति-रिवाज अनुसार दिनांक 18 जून 2019 को ग्राम पिडगांव से सम्पन्न हुई थी। दोनों के वैवाहिक संबंध से 2 लड़कियां पैदा हुई, जिनकी उम्र क्रमशः 3 वर्ष और 6 माह है। पति, पति के परिवार एवं पत्नी के बीच में वैचारिक मतभेद होने से पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके चली गई। पत्नी ने स्वयं एवं अपनी पुत्रियों के भरण-पोषण हेतु प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, हरदा के न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। पति की उपस्थिति पश्चात् पीठासीन अधिकारी श्री सुधीर कुमार चौधरी प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय की कुशल समझाईश के परिणामस्वरूप पति-पत्नि अपनी पुत्रियों सहित साथ में रहने के लिए राजी हुए। उन्होंने मेल-मिलाप कर आगामी जीवन शांतिपूर्ण व्यतीत करने का निर्णय लिया। इस प्रकार उभयपक्ष के मध्य आपसी सहमति से बिना किसी भय अथवा दबाव के प्रकरण की कार्यवाही समाप्त की गई। प्रकरण के निराकरण में अधिवक्ता श्री अखिलेश राठौर, श्री संजय पाराशर व पैरालीगल वॉलेंटियर सायरा खान की सराहनीय भुमिका रही।

रोजगार मेले से दीपांशु बावने को मिला रोजगार

बैतूल (निप्र)। शासन द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित रोजगार मेले ने एक बार फिर कई युवाओं के सपनों को पंख दिए हैं। इसी कड़ी में बैतूल तहसील के ग्राम टाहली कुम्हली निवासी दीपांशु बावने को प्रतिष्ठित कंपनी आयशर मोटर्स में नौकरी का अवसर मिला है। दीपांशु ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने आईटीआई से 3 साल का अप्रेंटिसशिप किया था। इसके बाद उन्होंने लंबे समय तक सरकारी नौकरी की तैयारी की, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। ऐसे में वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे। तभी उन्हें चिचोली में आयोजित रोजगार मेले की जानकारी मिला। रोजगार मेले में पंजीयन कराने के बाद यशस्वी ग्रुप भोपाल के प्रतिनिधियों ने उनका चयन आयशर मोटर्स कंपनी के लिए किया।

मृतक लाइनमैन विजय वर्मा के परिजनों से मिलने पहुंचे विधायक

सीहोर (निप्र)। विधायक श्री सुदेश राय ने ग्राम खंडवा पहुंचकर बिजली मेंटेनेंस के दौरान हादसे का शिकार हुए विघुत वितरण कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारी मृतक लाईनमेन विजय वर्मा के परिजनों से भेंट की और शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने मृतक के परिजनों के लिए स्वीकृत की गई 05 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि का स्वीकृति पत्र परिजनों को प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मृतक के भाई को बिजली कंपनी द्वारा नौकरी में आउटसोर्स पर रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि विधायक श्री राय ने इस दुर्घटना की जानकारी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और ऊर्जा मंत्री प्रदुम सिंह तोमर को दी थी, इसके पश्चात हादसे का शिकार हुए विघुत वितरण कंपनी के आउटसोर्स कर्मचारी मृतक लाईनमेन विजय वर्मा के परिजनों के लिए यह राशि स्वीकृत की गई है। विधायक श्री राय ने मृतक लाइनमेन विजय वर्मा को श्रद्धांजलि दी और परिजनों को सबल प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सरकार मृतक विजय वर्मा के परिवार के साथ खड़ी है। इस दौरान एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, तहसीलदार श्री भारत नायक विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी और ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

विद्युत मरम्मत कार्य करते समय कर्मचारियों की सुरक्षा बिजली कंपनी का दायित्व है : कलेक्टर

कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर किया जाए विद्युत मरम्मत कार्य करते समय सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के लिए जागरूक :

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि ऐसे प्रकरण जिनका निराकरण नियमानुसार किया जाना संभव नहीं है उन्हें फोर्स क्लोज किया जाए। गत दिवस विद्युत लाइन पर मरम्मत करते समय आउटसोर्स बिजली कर्मचारी की मृत्यु को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की असमयिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है। यदि मरने वाला व्यक्ति परिवार का मुखिया हो तो, यह परिवार के लिये यह किसी वज्रपात से कम नहीं होता और परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट खड़ा हो जाता है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम करते समय कर्मचारियों की सुरक्षा कंपनी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की दुर्घटना नहीं हो और किसी की मृत्यु न हो इसके लिये अधिकारी कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर समय समय पर प्रशिक्षण आयोजित करें और कर्मचारियों को विद्युत मरम्मत का कार्य करते समय सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने टीएल बैठक में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण और जल जीवन निगम के अधिकारियों सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को बैठक में विलंब से पहुंचने पर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने गत दिवस भैरूंदा तहसील के भ्रमण के दौरान सीप अंबर परियोजना तथा जल निगम के निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। उन्होंने विभिन्न विभागों के न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा कि सभी विभाग अपने न्यायालयीन प्रकरणों के दस्तावेजों और फ़ाइल का बेहतर ढंग से संचालन एवं संधारण करें ताकि किसी अधिकारी के स्थानांतरण के पश्चात भी रिकार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि न्यायालय द्वारा दिये गये निर्णयों और निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाये।

खनिज एवं राजस्व विभाग की बड़ी कार्यवाही

बैतूल (निप्र)। घोड़ाडोंगरी तहसील और सारणी क्षेत्र के ग्राम गांधीग्राम में डब्ल्यूसीएल अन्तर्गत तवा-3 कोयला खदान के निर्माण कार्य में खनिज गिट्टी, रेत के अवैध भण्डारण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर 15 सितंबर को कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में सहायक खनि अधिकारी बैतूल द्वारा खनिज एवं राजस्व अमला के साथ संयुक्त रूप से तहसील घोड़ाडोंगरी, सारनी क्षेत्र के ग्राम गांधीग्राम स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 159, रकबा 0.503 हेक्टेयर क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण करने पर पाया गया कि उक्त शासकीय भूमि पर तवा-3 कोयला खदान के लिए निर्माणाधीन मुहाने के समीप एक आरएमसी प्लांट लगाया गया है, जिसके समीप खनिज रेत के 02 बड़े ढेर एवं खनिज गिट्टी के 01 ढेर भण्डारित किया जाना पाया गया। उक्त सभी ढेरों की नाप करने पर अवैध रूप से भंडारित रेत की कुल मात्रा 169 घन मीटर पाई गई तथा खनिज गिट्टी की कुल मात्रा 57 घन मीटर पाई गई। मौके पर उपस्थित कंपनी के सुपरवाईजर श्री चिंता वर्मा निवासी-जिला राजनांदगांव द्वारा बताया गया कि उक्त कार्य सिंग एण्ड सन्स कंपनी प्रा. लि. नागपुर महाराष्ट्र के द्वारा किया जा रहा है। मौके पर कंपनी प्रतिनिधि द्वारा आरएमसी प्लांट के लिए मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति संबंधी कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये एवं भण्डारित खनिज रेत, गिट्टी के संबंध में भी कोई रायल्टी रसीद ई.टी.पी प्रस्तुत नहीं की गई। मौका जांच के दौरान सिंग एण्ड सन्स कंपनी प्रा.लि. नागपुर महाराष्ट्र के द्वारा उक्त स्थल से बिना अनुमति एवं बिना ई.टी.पी. के खनिज गिट्टी, रेत को अवैध रूप से भण्डारण किया जाना पाया गया है। उक्त

अवैध भण्डारणकर्ता कंपनी के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण नियम 2022 के तहत अवैध भण्डारण का प्रकरण दर्ज कर प्रकरण न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मंच पर पीएम मोदी और सीएम डॉ. मोहन यादव के बीच किसी मुद्दे पर बातचीत हुई।

मंडला में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

उल्टी-दस्त से दो दिन में तीन ने गंवाई जान, गांव में मातम और खौफ

मंडला (नप्र)। मंडला में पिछले एक हफ्ते में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। तीन लोगों ने तो दो दिन में दम तोड़ा। उन्हें उल्टी-दस्त हुए थे। मरने वाले दो भाई और उसकी मां हैं। अचानक हुई इन मौतों से एक तरफ गांव में खौफ है। दूसरी तरफ परिवार भी दहशत में है।

लोगों की आंखों में आंसू और खौफ – मंडला से करीब 55 किमी दूर आदिवासियों का कोना टोला गांव। चारों ओर हरियाली से ढंकी पहाड़ियां। देखने में किसी हिल स्टेशन से कम नहीं लगता। 20-21 मकान और आबादी सौ-सवा सौ के करीब। पूरा गांव की आपस में रिश्तेदारी भी है। लेकिन, पिछले दो दिन में एक ही परिवार में हुई चार लोगों की मौत के बाद गांव में सन्नाटा है। महिलाएं हो या पुरुष किसी की आंख में आंसू नहीं एक अजीब तरह का खौफ है। भले ही मौत की वजह दूषित पानी से हुए डायरिया को बताया जा रहा है, लेकिन आदिवासियों के खौफ की वजह कुछ-कुछ समझ आती है। कारण- 8 सितंबर को जिस 18 महीने के मासूम की मौत हुई, उसे उल्टी-दस्त नहीं हुए थे। उसे मौत से दो घंटे पहले झटके आए थे। वहीं, एक परिवार के दो भाई अलग-अलग रहते थे। दोनों ही अलग-अलग कुएं का पानी पीते थे।तीन कार और चार एम्बुलेंस सायरन बजाती आ गईं। इनमें चार डॉक्टर, पीएसई के अधिकारी और 15-20 हेल्थ वर्कर थे। हेल्थ वर्कर और डॉक्टरों ने अपना काम शुरू किया और हमने अपना।

सरपंच कहते हैं कि मरने वाले सब मेरे परिवार के ही सदस्य हैं। इसकी शुरुआत 8 सितंबर से हुई। 16 महीने के आदित्य केराम की अचानक मौत हो गई। दोपहर 3 बजे के करीब उसे झटके आए। शाम 5 बजे घर में ही मौत हो गई। 13 सितंबर को मुन्ना केराम (48) और उसकी मां नरबदिया केराम (68) की मौत हो गई। 14 सितंबर को मुन्ना के छोटे भाई देव सिंह केराम ने भी दम तोड़ दिया।

मृतक की बेटी बोली– बड़े पापा तो दूसरे कुएं का पानी पीते थे – मृतक देव सिंह के घर के पास ही कुएं पर एक लड़की कपड़े धो रही थी। पूछने पर उसने बताया कि वह देव सिंह की बेटी राजेश्वरी केराम है। वह सेमरखापा स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय में 11वीं पढ़ती है। पिता की मौत की खबर पर घर आई है। परिवार और गांव के अन्य सदस्य पिता के अंतिम संस्कार के लिए गए थे। राजेश्वरी कहती हैं कि पहले मेरे बड़े पापा मुन्ना लाल केराम और दादी नरबदिया और फिर पिता देव सिंह मर गए। अब भाई पूरन सिंह और बड़ी मां रामकी भी बीमार हैं। उसने बताया कि हम इसी कुएं का पानी पीते हैं। बड़े पापा का घर यहां से करीब 100 मीटर दूर है, वो दूसरे कुएं के पानी का उपयोग करते हैं।

संजय जैन को इस वर्ष का डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान

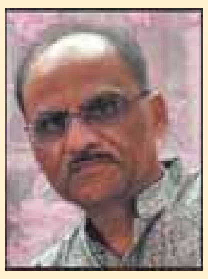

भोपाल। प्रतिष्ठित डॉ. राजेन्द्र कुमार स्मृति सम्मान 2025 से इस वर्ष संजय जैन, अपर संचालक जनसंपर्क को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 18 सितंबर आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर होंगी। अध्यक्षता नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी करेंगे। सम्मान समारोह रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप सभागृह श्यामला हिल्स पर शाम 7 बजे से होगा। इस अवसर पर संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में रंग दरबार ग्रुप द्वारा नाटक चिट्ठी का मंचन किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्वरंग में श्रीमती सीमा बजाज द्वारा कबीर गायन प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. राजेन्द्र कुमार जनसंपर्क एवं पत्रकारिता संस्थान के तत्वावधान में किया गया है। उल्लेखनीय है कि संजय जैन बहुआयामी प्रतिभा के अधिकारी हैं। एक सक्षम तथा दूरदर्शी जनसंपर्क अधिकारी होने के साथ आपका साहित्य में भी गहरा दखल है।

भोपाल-ग्वालियर समेत 13 जिलों में बारिश

● रीवा-सिवनी में पौन इंच पानी गिरा, कई जिलों में धूप खिली

भोपाल (नप्र)। भोपाल, ग्वालियर समेत मध्यप्रदेश के 13 जिलों में बुधवार को बारिश हुई। रीवा और सतना में सबसे ज्यादा पौने 2 इंच बारिश हो गई। टीकमगढ़ में सवा इंच, सतना में पौन इंच, और छिंदवाड़ा में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। भोपाल,पचमढ़ी, खजुराहो, नौगांव, सीधी, नर्मदापुरम, शाजापुर, पांढुर्णा, डिंडौरी समेत अन्य जिलों में भी बारिश दर्ज की गई। वहीं, कई जिलों में तेज धूप भी खिली रही।

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मध्यप्रदेश के आसपास तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) एक्टिव है, लेकिन इनका प्रदेश में असर कम है। इस वजह से कई जिलों में तेज बारिश नहीं हुई। वहीं पांढुर्णा में बारिश की वजह से अचानक जाम नदी में बाढ़ आ गई। कुछ युवक जान जोखिम में डालकर पुलिया पर खड़े थे। प्रशासन ने लोगों को सावधान रहने की अपील की।सिवनी में रुक-रुककर बारिश हुई। संजय सरोवर बांध के 4 गेट खोले गए हैं। लगभग 21000 घन फिट प्रति सेकंड की दर से वैनगंगा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है।

कई राज्यों से लौट रहा मानसून – मौसम विभाग के अनुसार, अब मानसून की वापसी भी होने लगी है। आधे राजस्थान से मानसून लौट चुका है। वहीं, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के कई जिलों से भी मानसून लौटा है। यदि वापसी की यही रफ्तार रही तो एमपी के भी कई जिलों में ऐसी स्थिति बन सकती है।

16 जून से अब तक एमपी में 42.4 इंच बारिश – बता दें, प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 42.4 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 35.4 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वकर्मा जयंती पर पूजन अर्चन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री निवास स्थित तकनीकी कक्ष में भगवान विश्वकर्मा की विधि विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के मंगल की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमें परिश्रम और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उनके आशीर्वाद से सभी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करें यही कामना है।

प्रधानमंत्री का भैंसोला हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया अभिनंदन

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का बुधवार को धार जिले की बदनावर तहसील स्थित ग्राम भैंसोला में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के शिलान्यास सहित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों के शुभारंभ के लिये आगमन हुआ। प्रधानमंत्री श्री मोदी का भैंसोला हैलीपेड पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर राज्य शासन की ओर से मिनिस्टर इन वेटिंग नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, जनप्रतिनिधि सहित वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया।

प्रधानमंत्री का इंदौर आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत – प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विशेष विमान से बुधवार को इंदौर पहुंचे, जहां उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया गया। इंदौर एयरपोर्ट पर राज्य सरकार की ओर से स्वागत के लिये मनोनीत मिनिस्टर इन वेटिंग जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी का महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सांसद श्री शंकर लालवानी और सुश्री कविता पाटीदार, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़ तथा श्री महेंद्र हार्डिया, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, डीजीपी श्री कैलाश मकवाना सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भी आत्मीय स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी इंदौर से धार जिले के भैंसोदा के लिये हैलीकाप्टर से रवाना हुए।

मुंह में कपड़ा ठूंसा, बच्चे और महिला की हत्या

पन्ना में 5 साल के मासूम और मां के मर्डर से गुस्सा ग्रामीण, डेढ़ घंटे चक्काजाम

पन्ना (नप्र)। पन्ना जिले में महिला और उसके 5 साल के बेटे की हत्या का मामला सामने आया है। वह अपने घर में किराना दुकान चलाती थी। पति पंजाब में मजदूरी करता है। वारदात मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात की है। घटना से गुस्साए ग्रामवासियों ने माधौगंज चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। वे आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री व पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह और एडिशनल एसपी वंदना सिंह चौहान मौके पर पहुंचे। विधायक ने परिजन को आश्वासन दिया कि किसी भी कीमत पर आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। करीब डेढ़ घंटे बाद प्रदर्शन खत्म कराया जा सका। पुलिस के मुताबिक, पन्ना के रहूनिया गांव में सोनू कुशवाहा (25) अपने 5 साल के बड़े बेटे और डेढ़ साल के छोटे बेटे के साथ रहती थी। पति रामनारायण कुशवाहा पंजाब में मजदूरी करने गया है। बुधवार सुबह जब महिला और उसके बच्चे घर से बाहर नहीं निकले तो ग्रामीणों ने दरवाजा खटखटाया। अंदर झांककर देखा तो महिला और बच्चे की लाश दिखी। हमलावरों ने महिला और उसके 5 साल के बेटे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर गला घोंट दिया। घर में चोरी करके भाग निकले। सोनू का छोटा बेटा कार्तिक सुरक्षित है।

देवेंद्र कुशवाहा, मृतक सोनू कुशवाहा, मृतक

एसडीओपी बोले- हर पहलू से जांच कर रहे – एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया ने कहा- जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। महिला के साथ रेप की पुष्टि नहीं हुई है। हम हर पहलू पर जांच कर रहे हैं। मामला क्या है, यह जांच के बाद ही कहा जा सकेगा।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर भाजपा ने किया रक्तदान-स्वच्छता कार्य

रवि किशन बोले- जो पसीना नहीं बहाएगा, उसका टिकट कट जाएगा

भोपाल (नप्र)। बीजेपी सांसद और भोजपुरी अभिनेता रविकिशन ने कहा है कि हम लोग बिहार में जीत रहे हैं। आईएएस, आईपीएस देने वाले बिहार ने ही उन्हें सुपर स्टार बनाया है। बिहार के हम ऋणी हैं। चुनाव में पूरी ताकत लगाएंगे और जीतकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस का समय नहीं है। अब पसीना बहाया जाता है। बीजेपी काम कर रही है तो उसका असर दिख रहा है। जो पसीना नहीं बहाएगा उसका टिकट कट जएगा। सांसद किशन ने ये बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भोपाल में बीजेपी की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर कार्यक्रम में कहीं।

सांसद रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री से पहली बार मिले तो उन्होंने मेरे बारे में पूरी बातें बता दीं। जो मेरे बहुत से करीबी भी नहीं जानते। ऐसे में मेरा हाथ अपने आप उनके पैरों की ओर झुकने लगा तो पीएम मोदी ने रोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं, भारत झुकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि पहले कभी होता रहा होगा ऐसा पर अब नहीं होगा।

रविकिशन ने कहा कि सदियों के बाद ऐसे लोग अवतरित होते हैं जिनका नाम नरेंद्र मोदी हैं। स्वदेशी, आत्मनिर्भर बनकर हम दुनिया में आगे बढ़ सकते हैं। चाइना स्वदेशी बनाकर आगे है। हम भी स्वदेशी अपनाएंगे तो भारत विकसित हो जाएगा। हमारे कॉटन का उपयोग खूब होता है और अब कॉटन से बने कपड़े विदेशों में देखने को मिलने लगे हैं और वहां मेड इन इंडिया लिखा दिखने लगा है।उन्होंने कहा कि मोदी सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं हैं बल्कि सहज कार्यकर्ता भी हैं। पिछले दिनों उन्होंने एक कार्यक्रम में सबसे पीछे बैठकर अपने कार्यकर्ता होने का परिचय भी दिया है।

बोर्ड आफिस चौराहे पर अंबेडकर प्रतिमा की सफाई की – बीजेपी जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती ने कहा कि बोर्ड आफिस चौराहे पर अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई में अभिनेता रवि किशन, मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने आज हिस्सा लिया है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर स्वच्छता पखवाड़े में यह सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद रेडक्रास अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। महापौर मालती राय भी स्वच्छता और रक्तदान कार्यक्रम में मौजूद रहीं।

कांग्रेस ने बेरोजगार दिवस मनाकर पकौड़े तले – उधर कांग्रेस ने मोदी के जन्मदिन को बेरोजगारी दिवस के रूप में मनाया। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक समाज के प्रदेश सचिव शाहरुख पठान ने अनोखा प्रदर्शन किया। इन्होंने समर्थकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को बेरोजगार दिवस के रूप में बनाकर पकौड़े तले और बेरोजगार युवाओं को खिलाए।

पड़ोसी भी वकील यावर पर लगा चुकी छेड़छाड़ के आरोप

फर्जी दस्तावेज बनाकर मकान बेचने की कोशिश की, हो सकती है एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नाबालिग से रेप मामले में गिरफ्तार वकील यावर खान लगातार विवादों में घिरा रहा है। ईदगाह हिल्स में पड़ोस में रहने वाली महिला ने भी उसके खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत की थी। हालांकि शाहजहांनाबाद पुलिस ने जांच के बाद शिकायत की नस्ती बना दी थी। वहीं, यावर खान और उसके करीबी केके तिवारी के खिलाफ कमला नगर थाने में कूट रचित दस्तावेज तैयार कर 3900 वर्ग फीट के मकान को बेचने की कोशिश करने की जांच लंबित है।

मकान के असल मालिक सुरेश अग्रवाल ने इसकी शिकायत की थी। अग्रवाल का आरोप है कि आरोपी प्रॉपर्टी ब्रोकर बनकर उनसे मिले थे। मकान की जानकारी लेने के बाद फर्जी दस्तावेज तैयार करने के बाद इसे बेचने की तैयारी कर रहे थे।

जिसकी सूचना मिलने के बाद मैने कार्रवाई के लिए एडवोकेट यावर खान सहित केके तिवारी व अन्य तीन के खिलाफ शिकायती आवेदन थाना कमला नगर में दिया है। पुलिस आश्वस्त किया है कि जांच के बाद जल्द एफआईआर दर्ज की जाएगी।

यावर के खिलाफ धाराओं में होगा इजाफा – नाबालिग का अपहरण कर रेप करने के आरोप में जेल में बंद वकील यावर खान को अब एक और गंभीर संगठित अपराध के मामले में आरोपी बनाया जा सकता है। पुलिस का कहना है कि जनवरी 2025 में दर्ज संगठित अपराध की एफआईआर में यावर की भूमिका सामने आई है। इसकी जांच जारी है।

रेप पीड़ित नाबालिग को बेच दिया गया था – 20 जनवरी 2023 को एक नाबालिग लापता हुई थी। 23 जनवरी 2025 को उसे अशोक नगर के ईशागढ़ से बरामद किया था। पीड़िता के माता-पिता का निधन हो चुका था। कोर्ट में दिए बयान में उसने बताया कि उसे बेचा गया और देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद पुलिस ने 31 जनवरी 2025 को 31 लोगों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में एफआईआर दर्ज की।

आरोप है कि गिरोह नाबालिगों को बहला-फुसलाकर अपने जाल में फंसाता और सेक्स रैकेट चलाता था। इसमें आशुतोष बाजपेयी, महक यादव, मिथलेश पुरैना, निधि ठाकुर अग्रवाल, शशांक पोद्दार, डिंपी खान, मकबूल अली, अर्जुन पटेल, निशांत मोहाले, मो. नवेद, अंजलि मोहाले, सलमान कुरैशी, महेश धाकड़, कृष्णा धाकड़, शोभा विश्वकर्मा, रितुल कुमार पांडेय, कुलदीप उर्फ कुनाल, योगेश कुमार कुशराम, सुरेंद्र उर्फ सागर चौहान, इंद्र बहादुर सिंह, मोहित, पूजा उर्फ जोया, नितिन पाल, लक्की, देवांश और राज सोलंकी शामिल हैं।

पुलिस का दावा है कि यह संगठित अपराध का गंभीर प्रकरण है और सेक्स रैकेट का बड़ा गिरोह सक्रिय है। जांच में यावर खान की भूमिका भी सामने आ रही है। अशोका गार्डन पुलिस ने भी इसी नाबालिग के कोर्ट बयान के आधार पर 26 लोगों के खिलाफ संगठित अपराध का केस दर्ज किया है।

रीवा सांसद ने बच्चों को रगड़-रगड़कर नहलाया

कपड़े धोए और नाखून भी काटे ; माता-पिता से बोले- सफाई से स्कूल भेजा करो

रीवा (नप्र)। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा जिले के बड़ागांव पंचायत पहुंचे, जहां उन्होंने मुसहर समाज के बच्चों को नहलाया। उनके नाखून काटे और गंदे कपड़े धोए। सांसद सेवा पखवाड़ा के तहत गांव में पहुंचे थे। उन्होंने बच्चों को नहलाते समय ग्रामीण महिलाओं को समझाया कि बच्चों को सही ढंग से नहलाना और कपड़े साफ करना क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता जीवन का अहम हिस्सा है। साफ-सुथरे रहकर ही स्वस्थ जीवन संभव है।

बच्चों को स्कूल भेजने की पहल – नहलाने और कपड़े धोने के बाद सांसद ने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार किया। उन्होंने माता-पिता से कहा कि वे पढ़ाई के साथ बच्चों की स्वच्छता पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जब बच्चे साफ-सुथरे होकर स्कूल जाएंगे, तभी उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे शिक्षा के महत्व को समझ पाएंगे।

सांसद आलोक बोले-बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बने

कहा- 250 से ज्यादा जलीय एवं औषधीय पौधों का संरक्षण जरूरी; मैं पदयात्रा करुंगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब के संरक्षण और अतिक्रमण हटाने को लेकर अब सांसद आलोक शर्मा पदयात्रा करेंगे। उन्होंने बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बनाने की मांग भी उठाई है। कहा कि मैं भारत सरकार की एनवायरमेंट कमेटी के सामने यह मुद्दा उठाऊंगा। इस कमेटी में मैं शामिल हूं। सांसद शर्मा ने कहा, बड़ा तालाब शहर की लाइफ लाइन है। इसके 50 मीटर के दायरे में अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बने। इसके लिए मैं खुद काम कर रहा हूं। आने वाले समय में बड़ा तालाब के आसपास पदयात्रा करुंगा। उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब में ढाई सौ से अधिक जलीय और औषधीय पौधे लगे हैं। उनका संरक्षण करना है।

36 किमी की पदयात्रा करेंगे – सांसद बड़ा तालाब के आसपास पदयात्रा करेंगे, जो 36 वर्ग किमी है। हालांकि, साल 2016 में हुए डीजीपीएस सर्वे की 2017 में आई रिपोर्ट में इसे 38.72 वर्ग किमी बताया गया था। तालाब के एफटीएल से 50 मीटर की दूरी तक निर्माण पर प्रतिबंध है। 361 वर्ग किमी के कैचमेंट में भी कई पाबंदी हैं। बावजूद कब्जा है। समय-समय पर जिला प्रशासन कार्रवाई तो करता है, लेकिन बाद में मामला ठंडा पड़ जाता है।

बड़ा तालाब के संरक्षण में अब तक ये हुआ – भोज वेटलैंड प्रोजेक्टः वर्ष 1995 से 2004 तक चले इस प्रोजेक्ट में 247 करोड़ रुपए खर्च हुए थे, लेकिन तालाब में मिलने वाला सीवेज नहीं रुका। वर्तमान में कई जगहों से गंदा पानी मिल रहा है। साफ-सफाई-साल 2014 में एनजीटी के निर्देश पर तालाब की सफाई पर 10 करोड़ खर्च हुए थे। बावजूद तालाब किनारों पर गंदगी नजर आती है। हर साल पांच करोड़ रुपए खर्चः नगर निगम का झील संरक्षण प्रकोष्ठ शहर के तालाबों के संरक्षण और साफ-सफाई पर हर साल लगभग 5 करोड़ खर्च करता है। करीब 14 साल पहले प्रकोष्ठ का गठन हुआ था।

20 लाख से अधिक पेड़ – जानकारी के अनुसार, बड़ा तालाब के चारों ओर करीब 20 लाख पेड़ हैं। सांसद शर्मा ने तालाब में ही ढाई सौ से ज्यादा जलीय औषधीय पौधे होने की बात कही है। वहीं, बड़ी संख्या में जलीय जीव-जन्तु भी हैं।

बड़ा तालाब में गाद जमी, पानी का भराव कम – बता दें कि पिछले 60 साल में तालाब में आई गाद से करीब 25 अरब लीटर जलग्रहण क्षमता कम हुई है। बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में 1300 से ज्यादा चिह्नित किए जा चुके हैं। भदभदा, बैरागढ़ और सीहोर रोड यानी तालाब के हर छोर के आसपास तेजी से निर्माण हुए हैं। पिछले एक साल में लालघाटी से बैरागढ़ के बीच कुछ मैरिज गार्डन पर कार्रवाई भी की गई है।

3 लाख आबादी की प्यास बुझाता है बड़ा तालाब – बड़ा तालाब को शहर की लाइफ लाइन कहा जाता है। इसकी वजह यह वाटर लेवल तो बेहतर रखता ही है। साथ में बड़ी आबादी की प्यास भी बुझाता है। बड़ा तालाब से हर दिन पुराने शहर समेत बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) समेत आसपास के इलाकों की 3 लाख से ज्यादा आबादी को पानी की सप्लाई की जाती है। 20 प्रतिशत से ज्यादा इलाकों में पानी पहुंचता है। बड़ा तालाब से हर रोज 25 एमजीडी (मिलियन गेलन पानी प्रतिदिन) सप्लाई होता है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है।